@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 25 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 291 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एमपी-यूपी में बाढ़ जैसे हालात

●वाराणसी में पुलिस चौकी डूबी; छत्तीसगढ़ में महिला पर बिजली गिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। खराब मौसम के चलते दिल्ली एयरपोर्ट से 15 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 25 उड़ानें कैंसिल हो गई हैं और 380 लेट हैं। यूपी के 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। प्रयागराज के दारागंज घाट का शमशान डूब गया, जिससे सड़कों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में तेज बारिश हुई। अशोकनगर में युवक बाइक समेत बह गया। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदल जा रही एक महिला पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चे घोंघा नदी में बह गए।

हिमाचल प्रदेश में 98 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में सोमवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। राज्य में 98 सड़कें बंद हैं। सड़क बंद होने के सबसे ज्यादा मामले मंडी में 49 रहे। इसके बाद कुल्लू में 28, कांगड़ा में 8, शिमला, सिरमौर और ऊना में 4-4, जबकि लाहौल-स्पीति में 1 सड़क बंद है। रविवार शाम से पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

28 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में 28 अगस्त तक गरज-चमक के साथ भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए राज्य के 28 में से 23 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार के लिए किसी भी जिले में मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मराठी सीखने के खिलाफ मुंबई में ऑटोवालों की हड़ताल:

बोले- 55 की उम्र में भाषा सीखें या घर चलाएं

सरकार ने 3 महीने का वक्त दिया

एजेंसी

गुवाहाटी। मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। गैर मराठी भाषी ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि हमने बिल्कुल पढ़ाई नहीं की है। हमारे सामने परिवार को पालने की चुनौती है। 55-60 साल की उम्र में हम परिवार पालें या नई भाषा सीखें। यह बहुत मुश्किल है।

19 अगस्त को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज

सस्पेंड किया जाएगा। राज्य में 20 अगस्त से सरकार ने उन ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है, जिन्हें मराठी नहीं आती है। मुंबई में हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों ने हड़ताल बुलाई है। सरकार ने 20 अगस्त से मराठी न बोलने वाले ड्राइवरों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। मुंबई में हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों ने हड़ताल बुलाई है। सरकार ने 20 अगस्त से मराठी न बोलने वाले ड्राइवरों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। ड्राइवरों ने कहा कि कई प्रदर्शनकारी मराठी सीखने और टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं। उनका दावा है कि अधिकारियों की ओर से उन्हें नियम पूरा करने का समय देने के बजाय जुर्माना लगाया जा रहा है। उन्होंने ने कहा, 'क्या हम 15-20 हजार रुपए का जुर्माना भर सकते हैं? न्याय मिलने तक हम तीन दिन की हड़ताल करेंगे। ' भाषा संबंधी इस निर्देश को लेकर परिवहन कर्मचारियों के एक वर्ग में विरोध बढ़ रहा है। चालक अधिकारियों से नियम और इससे जुड़े जुर्माने पर दोबारा विचार करने की मांग कर रहे हैं।इस अभियान के तहत मराठी नहीं बोल पाने वाले ड्राइवरों को नोटिस दिए जा रहे हैं। यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा और अब तक करीब 2,500 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। परिवहन विभाग के मुताबिक, 20 अगस्त से मुंबई और राज्य के दूसरे हिस्सों में करीब 13 हजार ड्राइवरों की जांच हुई है।

कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दोबारा दिल्ली मार्च करेगी

कहा- छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए, हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने NEET पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले CJP ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को CJP ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। ष्टछ्क ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया गया था।

सीजेपी बोली- वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेता सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी FIR वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें।

किया था। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी परमिशन नहीं दी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया था।

20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी परमिशन नहीं दी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

सौरव दास बोले- लोकतंत्र के लिए संवाद जरूरी

सौरव दास ने कहा, 'लोकतंत्र तभी काम करता है जब सरकार में बैठे लोगों और उन्हें चुनने वालों के बीच निरंतर संवाद हो। जब दोनों के बीच संचार टूट जाता है, तो समस्याएं और संघर्ष पैदा होते हैं। ' वहीं, पार्टी ने सभी युवाओं, छात्रों, युवा संगठनों और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होने और मार्च में शांतिपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

चुनाव आयोग की पारदर्शिता अटल सत्य, मैं आरोपों से डरता नहीं

लखनऊ। यूपी के दो दिन के दौरे पर सोमवार को लखनऊ पहुंचे देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लोगों का आह्वान किया कि वे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में हुए 93.7 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड तोड़ें। उन्होंने 20 जिलों के शैक्षिक संस्थानों से आए शिक्षकों व छात्रों के साथ संवाद में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली व उनके सवालों का खुलकर जवाब दिया। मौका था इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी-2) और एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट पर क्षेत्रीय सम्मेलन का ज्ञानेश ने कहा कि चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहा है। कोई कुछ भी इल्जाम लगाए चुनाव आयोग उससे डरने व घबराने के बजाय उसे चुनौती के रूप में स्वीकार करता है और पूरी पारदर्शिता से काम करता है। जिस तरह से यह अटल सत्य है कि सूरज पूरब से ही निकलता है, ठीक उसी तरह चुनाव आयोग पूरी तरह पारदर्शी है, यह भी अटल सत्य है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिसे जिस दिशा से सूरज उगाना है वह उगाए, हम इस पर ध्यान नहीं देते। आज के युवा सबसे समझदार हैं, वह हर चीज समझते हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रियाओं से संबंधित ज्ञान और समझ को आगे बढ़ाने और लोकतंत्र को समृद्ध करने के लिए ईएलसी बेहद जरूरी है। देश में होने वाले सभी चुनावों को संविधान और कानून मंशा के अनुसार कराया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों और युवा मतदाताओं को चुनाव प्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों, पंजीकरण, मतदान एवं मतगणना प्रक्रियाओं और आयोग की भूमिका और कार्यप्रणाली से परिचित कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ईसीआईनेट डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक बटन के क्लिक पर मतदाता सूची से लेकर मतदान तक चुनाव से संबंधित सभी सेवाएं देता है। देश के विशाल शैक्षिक ईको सिस्टम को देखते हुए यह पहल महत्वपूर्ण है। इस सिस्टम में लगभग 15 लाख स्कूल हैं, जिनमें करीब 25 करोड़ छात्र और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 1,500 विश्वविद्यालय और करीब 70,000 शिक्षण संस्थान हैं

अजय राय ने भाई के हत्यारे के सामने घुटने टेक दिए: सीएम योगी

लखनऊ। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर नायक अवध केसरी राना बेनी माधव बख्श सिंह की 222वीं जयंती पर आयोजित भाव समर्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के मनुस्मृति को लेकर दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे लोकतंत्र व संविधान के प्रति जवाबदेही की अपेक्षा की जाती है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं के कथित दोहरे आचरण पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग विरासत का अपमान करने के साथ धार्मिक आस्था को लेकर भी दिखावा करते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अयोध्या में हनुमानगढ़ी में दर्शन के बाद मछली की दावत उड़ाई। यही कांग्रेस का दोहरा चरित्र है। मंदिर में राम-राम चिल्लाने और बजरंग बली के सामने दंडवत होने का ढोंग करने के बाद ऐसा आचरण शर्मनाक है। इन लोगों से गिरगिट भी शर्मा जाए। इन प्रदेश अध्यक्ष के भाई की हत्या एक माफिया ने की थी। प्रदेश अध्यक्ष ने उस माफिया के खिलाफ आवाज उठाने के बजाय उसके सामने घुटने टेककर नतमस्तक होने का काम किया। सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी ने संविधान की शपथ ली है, लेकिन इसके बावजूद वह भारत की परंपरा व विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। राहुल यूपी से बाहर जाकर उत्तर प्रदेश को लांछित और अपमानित करते हैं और भारत से बाहर जाकर देश का अपमान करते हैं। सेना सीमाओं पर दुश्मनों से लड़ती है, लेकिन राहुल जवानों से प्रमाण मांगते हैं। कांग्रेस तो अयोध्या में प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर भी सवाल खड़ा करती रही है। बच्चों व नौजवानों को ऐसी दिशा में नहीं ले जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर अर्बन नक्सलियों के हाथों वर्तमान पीढ़ी का भविष्य खराब करने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि वह भारत की विरासत को क्यों बर्बाद करना चाहते हैं? क्यों देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं? देश ने राहुल गांधी से नेता प्रतिपक्ष के रूप में सकारात्मक और जिम्मेदार भूमिका की अपेक्षा की थी, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से स्वयं को पूरी तरह अलग कर लिया है। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र के प्रति कांग्रेस की निष्ठा पर भी सवाल उठाते हुए 1975 के आपातकाल का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने गांधी परिवार के राजनीतिक प्रभाव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेठी व रायबरेली ने लंबे समय तक इस परिवार को ढोया, लेकिन इस क्षेत्र के सामने पहचान का संकट भी इसी परिवार ने खड़ा किया। अब जनता को तय करना है कि विकास के लिए किस प्रकार की राजनीति और नेतृत्व की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को देश के स्मारकों और संस्थानों का नामकरण एक ही परिवार के नाम पर करने में रुचि रही है। उसने राना बेनी माधव बख्श सिंह, लालचंद स्वर्णकार और महापराक्रमी वीर पासी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर संस्थानों व स्मारकों के नाम रखने के बारे में कभी नहीं सोचा। देश के वास्तविक नायकों को उचित सम्मान देना कांग्रेस की प्राथमिकता नहीं रही। काकोरी ट्रेन एक्शन को लूट कहकर कांग्रेस वर्षों तक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करती रही। मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारी सचिंद्र नाथ बख्शी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। आजादी के बाद उन्हें मुक्त किया गया। बाद में वह भारतीय जनसंघ से जुड़े और वाराणसी दक्षिण से विधायक बने।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में स्वाइन फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों की मौजूदा स्थिति और रोकथाम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ होने वाली इस बैठक में बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों, अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी व्यवस्था और संभावित मामलों को लेकर विभागीय तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में खास तौर पर स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की स्थिति पर नजर रखने और इनके प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री अधिकारियों से मौजूदा स्थिति की जानकारी लेने के साथ-साथ आने वाले दिनों में बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को और मजबूत करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दे सकते हैं।

दिल्ली में मानसून के दौरान वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने को देखते हुए सरकार की ओर से इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इससे पहले सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा कि अस्पताल स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है। बता दें हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं।

महाराष्ट्र में रिक्शा चला रहे हजारों युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए परिवहन मंत्री से अपील की है कि रैपिडो, ओला और उबैर के चलते राज्य में हजारों की संख्या में रिक्शा चला रहे मराठी युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं है। राउत ने पत्र में लिखा- महोदय, राज्य के कुछ मंत्रियों के रैपिडो कंपनी के साथ वित्तीय और व्यावसायिक संबंध हैं। रैपिडो ने अब तक दही हांडी, गणेशोत्सव और कुछ मंत्रियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और करोड़ों रुपए दिए हैं। कुछ मंत्रियों को चुनाव के लिए भी धनराशि दी है। इसलिए ऐसा लगता है कि हजारों रिक्शा चालकों को इनके नाम पर फंसाकर एहसान चुकाने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने आगे लिखा- जब महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री का मूल पेशा ही रिक्शा चालक है, तो इस राज्य के रिक्शा चालकों की आजीविका छीनना उचित नहीं है। मैं इस मुद्दे पर रिक्शा चालक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे मिलना चाहता हूं। उचित समय और स्थान की जानकारी दें। कृपया मुझे सूचित करें।

हाल ही में संजय राउत ने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र के सहकारी क्षेत्र के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। 20 अगस्त को संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने और मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त विकास निगम कार्यालय के उद्घाटन पर चिंता व्यक्त की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत की ओर से लिखे गए पत्र की प्रति सीएम देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार को भी भेजी गई थी। राउत ने शहरी सहकारी बैंकिंग परिसंपत्तियों से संबंधित मंत्रालय के हालिया फैसलों पर आपत्तियां रखी थीं। राउत ने कहा था कि उन्होंने जानबूझकर पत्र मराठी में लिखा है ताकि जनता समझ सके कि उनके शब्दों में, महाराष्ट्र के शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के साथ किस प्रकार अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया था और एनयूसीएफडीसी के जरिए महाराष्ट्र और गोवा के शीर्ष शहरी सहकारी बैंक की संपत्ति को उसके सदस्यों की सहमति के बिना जब्त कर लिया गया था। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन पर सीधा हमला बताया था।

बारिश का कहर : सोनभद्र में कनहर बांध के फाटक खुले, हिमाचल में 125 सड़कें बंद

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है। सोनभद्र जिले में कनहर सिंचाई परियोजना के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा के चलते अमवार स्थित कनहर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, वहीं हिमाचल प्रदेश भी बारिश और भूस्खलन की चपेट में है, जहां 125 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सोनभद्र में कनहर बांध का जलस्तर 262.350 मीटर पर पहुंचने के बाद, पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग ने तत्परता दिखाकर बांध के छह फाटक (संख्या 2, 4, 5, 6, 11 और 13) खोल दिए हैं। फाटकों के खुलने से कनहर नदी के डाउनस्ट्रीम में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया है और नदी उफान पर है। प्रशासन ने तटीय और डूब क्षेत्रों में आम लोगों तथा मवेशियों के जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

तमिलनाड़ु में 1.30 करोड़ परिवारों को मिलेंगे सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर

-विजय सरकार ने 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का किया ऐलान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत राज्य की महिला परिवार मुखियाओं को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना की शुरुआत आगामी जनवरी में पोंगल पर्व से होगी। सरकार ने इसके लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये सालाना बजटीय प्रावधान करने की बात कही है। योजना से 1.30 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय के मुताबिक योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी के बाद उसकी कीमत सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए वापस की जाएगी। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों की आधिकारिक बिलिंग को आधार बनाया जाएगा।

2.5 लाख रुपये तक वार्षिक आय वालों को लाभ

'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवारों को भी योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई और कीमतों में वृद्धि से पिछले चार महीनों में परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। इसके चलते कई परिवार वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल करने को मजबूर हुए। सरकार का उद्देश्य एलपीजी पर होने वाले खर्च की भरपाई कर परिवारों का आर्थिक बोझ कम करना है।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दायरा बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी 'वेट्री पयानम' योजना के विस्तार की भी घोषणा की। इसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा बढ़ाई जाएगी। योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी। इसके तहत महानगरों और शहरी क्षेत्रों में चलने वाली एक्सप्रेस, लिमिटेड स्टॉप सर्विस और डीलक्स सरकारी बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर यात्री मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। जिलों के बीच आवागमन के लिए मुफस्सिल और पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली सामान्य किराया वाली बसों में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। सरकार के अनुसार 'वेट्री पयानम' के क्रियान्वयन पर करीब 6,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च होने का अनुमान है। इस योजना में आय की कोई सीमा नहीं होगी और मुफ्त यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

महिला सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने 'वेट्री विजन डॉक्यूमेंट' के तहत महिला सुरक्षा, सामाजिक प्रगति और आजीविका को मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान किए जाने की जानकारी दी। इनमें 'सिंगा पेन' स्पेशल टास्क फोर्स, 'थैमामन थंगामोथिरम', 'वेट्री मगलिर आडुगल वलरप्पु' और 'अन्नानिन सीर' जैसी योजनाएं शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में भगदड़, छह श्रद्धालु घायल, सावन के आखिरी सोमवार को हुआ हादसा

पटना (एजेंसी)। मधेपुरा के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम में सावन की अंतिम सोमवारी पर बड़ा हादसा होते-होते बचा। मंदिर में दर्शन और जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मुख्य द्वार पर भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 6-25 से 7 बजे के बीच उस समय हुई जब भोले बाबा को जल अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे थे। घायलों को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जैसे ही मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ा, कुछ लोगों ने नियंत्रण खो दिया और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति भगदड़ में बदल गई, और इस दौरान कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए। भीड़ के दबाव में दबने से कई लोगों को चोटें आईं।

सूचना के अनुसार, इस घटना में चार महिलाएं और दो पुरुष समेत कुल आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। मौके पर पहले से ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। स्थिति बिगड़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। स्थानीय संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस का सहयोग किया और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद की। उन्होंने गिरे हुए लोगों को उठाया और घायल श्रद्धालुओं को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालकर मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई। सावन की अंतिम सोमवारी को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और स्वयं जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी मंदिर की व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए थे। हालांकि, सुबह अचानक मुख्य गेट पर भीड़ का अत्यधिक दबाव बढ़ जाने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति को जल्द ही संभाल लिया गया और किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया।

क्लोरीन गैस लीक होने से 40 लोग प्रभावित, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

-सभी को अस्पताल में कराया भर्ती, 5 गंभीर को आईसीयू में किया शिफ्ट

नागपुर, एजेंसी।
नागपुर में क्लोरीन गैस लीक होने की वजह से 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इन सभी लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस्?पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 लोगों को आईसीयू में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक नागपुर के गोधनी इलाके में सोमवार को वाटर ट्रीटमेंट प?लांट से क्लोरीन गैस लीक होने के बाद हड़कंप मच गया। गोधनी नगर पंचायत द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में गैस रिसाव की घटना के बाद करीब 40 लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। प्रभावित लोगों में संयंत्र के 8 से 10 कर्मचारी और आसपास रहने वाले 20 से 25 लोग शामिल हैं। गैस रिसाव के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा है। वहीं, अन्य मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनपर नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के साथ ही आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर नजदीकी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पेपर लीक रोकने के लिए बिहार सरकार ने बनाई समिति

पटना, एजेंसी।
बिहार की सम्राट चौधरी सरकार ने राज्य में परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। रविवार को परीक्षाओं में व्यापक सुधारों की अनुशंसा के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के गठन की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह उच्च स्तरीय समिति विभिन्न परीक्षा बोर्डों, आयोगों, विश्वविद्यालयों और अन्य भर्ती एजेंसियों द्वारा ली जाने वाली समस्त परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए विस्तृत अनुशंसाएँ प्रस्तुत करेगी। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या हाईकोर्ट के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जिससे इसकी निष्पक्षता और गंभीरता सुनिश्चित हो सकेगी। समिति को तीन माह के भीतर अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह समिति परीक्षा

कैलेंडर के निर्माण, प्रश्न पत्रों में सुधार, परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने और पेपर लीक की रोकथाम के प्रभावी उपायों को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव देगी।

इस समिति द्वारा परीक्षा संचालन, प्रश्न-पत्र निर्माण, मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और शिकायत निवारण सहित पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिए व्यापक अनुशंसाएं की जाएंगी। प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित ट्रैकिंग के लिए चेन ऑफ कस्टडी प्रोटोकॉल विकसित करने पर भी विशेष विचार किया जाएगा, ताकि हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। समिति परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली लागू करने, सीसीटीवी निगरानी को अनिवार्य बनाने तथा जरूरत पड़ने पर परीक्षाओं की फोरेंसिक जांच की अनुशंसा भी कर सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की धांधली की गुंजाइश खत्म हो सके। विशेषज्ञ समिति परीक्षाओं, मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा में होने वाली देरी के कारणों की समीक्षा करेगी तथा एक राज्य परीक्षा कैलेंडर तैयार करने की अनुशंसा करेगी। इस कैलेंडर में विज्ञापन जारी करने से लेकर आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश-पत्र निर्गमन, परीक्षा आयोजन, प्रोविजनल उत्तर कुंजी का प्रकाशन, आपत्तियों का निपटारा, अंतिम उत्तर कुंजी का प्रकाशन, मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा तथा जांच/पैनल मूल्यांकन और अनुशंसा भेजने के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित करने का प्रावधान किया जा सकता है। इससे परीक्षाओं में अनावश्यक देरी पर लगाम लगेगी और छात्रों को समय पर परिणाम मिल सकेंगे। प्रश्न-पत्रों की तैयारी की पूरी प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

अमरावती के सरकारी अस्पताल में आग, वेंटिलेटर फटा 3 शिशुओं की मौत

अमरावती, एजेंसी।
महाराष्ट्र के अमरावती जिले में स्थित एक सरकारी अस्पताल में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से कम से कम तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। जिंदगी की शुरुआत करने वाले इन नवजात शिशुओं ने अभी अपनी मां को जीभर कर देखा भी नहीं होगा कि इस दर्दनाक हादसे ने उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि यह आग नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में विस्फोट होने के कारण लगी। यह भयावह घटना बुधवार तड़के करीब 3-30 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार, नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में हुए धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे वार्ड में धुआं भर गया। उस समय यूनिट में कुल 39 नवजात शिशु भर्ती थे। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वार्ड को खाली करवाना शुरू कर दिया। इस दौरान छह नवजातों को गंभीर हालत में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, तीन नवजातों की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। आग इतनी भीषण थी कि एनआईसीयू वार्ड की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वार्ड में मौजूद बेड, मशीनें और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए, बिस्तर राख के ढेर में बदल गए। अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों ने पूरी कोशिश की कि बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके, लेकिन धुएं की वजह से तीन मासूमों को नहीं बचाया जा सका।घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रशासन ने इस पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दे दिए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि आग लगने का जिम्मेदार कौन है और अस्पताल में आग बुझाने के लिए क्या इंतजाम थे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तानी गैंगस्टर की सक्रियता ने पंजाब में बढ़ाई टेंशन

-शहजाद भट्टी निशाने पर, हाई अलर्ट जारी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में एक बड़ी आतंकवादी घटना की साजिश रचे जाने की गंभीर आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। खुफिया एजेंसियों द्वारा राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का एक विस्तृत प्लान तैयार किया है। इस खतरनाक योजना के तहत, दो महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी भी की जा चुकी है, जिसने सुरक्षा प्रतिष्ठानों में खलबली मचा दी है। हालांकि, इन आशंकाओं को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खुफिया इनपुट की गंभीरता को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी गुर्गे विशेष रूप से अमृतसर जिले में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करने की फिराक में हैं। यह संवेदनशील जानकारी पंजाब पुलिस सहित देश की अन्य सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की गई है। एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस इनपुट को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और तत्काल प्रभाव से सभी संवेदनशील स्थानों, विशेषकर सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए। इस अलर्ट के बाद, सड़कों पर गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। खुलासे के तहत, इन दो संदिग्ध ऑपरेटिव्स की पहचान राणा भाई और मलिक के रूप में हुई है। खुफिया इनपुट के हवाले से बताया गया है कि साजिश के तहत अमृतसर के खासा छावनी और बेस के पास स्थित बूढ़ा ठेह की विस्तृत रेकी की गई है। यह बात और भी चिंताजनक है कि खासा छावनी में कुछ समय पहले ही एक रहस्यमय धमाका हुआ था, हालांकि उस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था और विस्फोट छावनी की बाउंड्री वॉल के पास हुआ था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उस धमाके के तार भी किसी पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन अब तक पिछली घटना और मौजूदा इनपुट्स के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका है। सुरक्षा एजेंसियां इन कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही हैं।शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ भारत में पहले से ही व्यापक कार्रवाई चल रही है। यह गिरोह धार्मिक और संवेदनशील स्थानों पर हमला करने, साथ ही राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की साजिशों में शामिल रहा है।

संसद का सत्रावसान अब तक क्यों नहीं? कांग्रेस ने उठाए सवाल

-जयराम बोले- क्या परिसीमन बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में लगे हैं अमित शाह?

नई दिल्ली, एजेंसी।
संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बावजूद अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आशंका जताते हुए सवाल किया है, कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सत्रावसान को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

2015 और 2021 का उदाहरण दिया कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। हालांकि, उनका दावा है कि उन मौकों पर मौजूदा जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। उन्होंने सवाल किया कि इस बार इतनी असामान्य देरी क्यों हो रही है। ऐसे में जयराम रमेश ने पूछा कि क्या सरकार किसी विशेष सत्र के जरिए परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी कर रही है और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में संसद की कार्यप्रणाली और नियमों पर आधारित एम.एन. कौल और एस.एल. शकधर की पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' का एक पृष्ठ भी साझा किया है।

राष्ट्रपति के आदेश से होता है सत्रावसान

किताब के हवाले से कांग्रेस नेता ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से संसद के सत्र की औपचारिक समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है। राष्ट्रपति इस संबंध में प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। आमतौर पर सदन की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद सत्रावसान किया जाता है, हालांकि यह पहले भी हो सकता है।

कांग्रेस ने 543 सीटें स्थिर रखने की मांग की

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक स्थिर रखने की मांग दोहराई है। पार्टी का कहना है कि इसी मौजूदा संख्या पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए और इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। कांग्रेस कार्य समिति ने भी महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

अप्रैल में विधेयक नहीं जुटा पाया था दो-तिहाई बहुमत

कांग्रेस के अनुसार, 17 अप्रैल को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था। मत विभाजन में शामिल 528 सांसदों में 298 ने विधेयक के पक्ष और 230 ने विरोध में मतदान किया। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी। दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद जयराम रमेश ने दावा किया था कि सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और वह इसे हासिल नहीं कर पाएगी। अब मानसून सत्र के औपचारिक सत्रावसान में देरी को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुव्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुव्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है। युवक के खिलाफ फिलहाल कोई प्राथमिकी कहीं दर्ज नहीं है।

मोहाना नदी में पलटी नाव, चारा लेने गए थे चार ग्रामीण

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी स्थित मोहाना नदी में नाव पलटने से घास लेने गए तिकुनिया के गांव बाबापुरवा निवासी रंजीत (50) पुत्र कल्लू और बलराम (28) पुत्र रामासरे नदी की धारा में लापता हो गए। इन्हीं के साथी गांव क्योटली निवासी अशोक पुत्र करवारी और बाबूपुरवा निवासी रामकुमार पुत्र रंजीत ने किसी तरह तैर का जान बचाने में सफल रहे। ग्रामीणों ने नदी किनारे पहुंचकर दोनों लापता लोगों की तलाश शुरू की, लेकिन देर तक उनका पता नहीं चल सका। सूचना पर एसडीएम यदुवीर सिंह, तहसीलदार हर्ष निशांत सहित तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को करीब 1:00 बजे बाबापुरवा निवासी रंजीत, बलराम और रामकुमार और क्योटली निवासी अशोक नाव से मोहाना नदी के पार चारा लेने गए थे। करीब 2:00 बजे वापस आते समय मोहाना नदी की बीच धारा में नाव पलट गई। इसमें रंजीत और बलराम तेज धारा में लापता हो गए, जबकि रामकुमार पुत्र रंजीत और अशोक तैरकर सुरक्षित निकलने में सफल रहे। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मोहाना नदी के किनारे पहुंच गए और डूबे युवकों की तलाश में जुट गए। ग्राम पंचायत मोहम्मद मियां ने घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में नाव से आवागमन के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। क्षेत्राधिकारी शिवम कुमार ने बताया कि मोहाना नदी में लापता दोनों युवकों की तलाश की जा रही है।

धुएं में दम घुटने से जगतपुरी में दंपती की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जगतपुरी स्थित हजारा पार्क-शिवपुरी में बुधवार दोपहर एक घर में आग लग गई। हादसे में बुजुर्ग दंपती प्रेम सागर मल्होत्रा (80) और आशा मल्होत्रा (75) की दम घुटने से मौत हो गई। हादसे के समय बुजुर्ग प्रेम सागर अपने घर में अकेले थे। उनकी पत्नी वापस घर लौटीं तो आग लगी हुई थी। लोगों के रोकने के बावजूद वह जबरन पति को बचाने के लिए घर में घुस गईं और वहीं फंस गईं। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के बाद दोनों को बेसुध हालात में घर से निकाला। अस्पताल ले जाने पर वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पुलिस दम घुटने से मौत की आशंका जता रही है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि प्रेम सागर मल्होत्रा अपनी पत्नी आशा मल्होत्रा के साथ गली नंबर-5, हजारा पार्क, शिवपुरी, जगतपुरी में अकेले रहते थे। इनके कोई संतान नहीं थी। प्रेम सागर एसबीआई में मैनेजर के पद से रिटायर थे। उम्र अधिक होने से वह अक्सर बीमार रहते थे और उनका घर से निकलना भी कम ही होता था। घर और बाहर का सारा काम आशा मल्होत्रा ही करती थीं। आशा के भतीजे प्रतीक चोपड़ा ने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने फ्रिज पर रखे मंदिर में पूजा की। बाद में ज्योत जलाकर वह किसी काम से बाहर चली गईं। करीब एक बजे वह वापस आईं तो घर से धुआं निकल रहा था। लोगों के रोकने के बाद वह भागी-भागी अंदर पहुंची और वापस नहीं आईं। 1:30 बजे मामले की सूचना पुलिस और दमकल को दी गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने करीब 2:45 बजे आग पर काबू पाया गया। फायर कर्मियों ने बताया कि फ्रिज के आग पकड़ने से उसका कंप्रेसर फटने से आग विकराल हो गई। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में बुधवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से 72 वर्षीय फाजिला किश्वर नाम की महिला की मौत हो गई। पुलिस ने दमकलकर्मियों की मदद से 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि आग लगने की वजह जानने के लिए जांच की जा रही है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार फाजिला पहले से श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं, जिससे घटना के दौरान उनकी हालत और बिगड़ गई। पुलिस के मुताबिक दिल्ली अग्निशमन सेवा को आग लगने की सूचना सुबह 4.41 बजे मिली, जिसके बाद चार दमकल की गाड़ियां और चार एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने कहा कि थाना प्रभारी (एसएचओ) दिनेश कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग महिला सहित आठ निवासियों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। आग से जान-माल के नुकसान के अलावा इमारत के पास खड़े वाहनों को भी भारी क्षति पहुंची। दो कारें, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटर पूरी तरह या आंशिक रूप से जल गए। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिस इमारत में आग लगी थी, वह चार मंजिला है। आग इमारत की पहली मंजिल पर लगी थी। आग से उठी धुंआ ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। मृतक वृद्धा अपने बेटा व बहु के साथ दूसरी मंजिल पर रहती थी। आग पर पहली मंजिल पर ही काबू पा लिया था। मगर दूसरी व बाकी मंजिलों में धुंआ भर गया था। दम घुटने से वृद्धा की मौत हो गई।

महिला की हत्या कर डबल बेड के बॉक्स में छिपाया शव, प्रेमी संग तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में मंगलवार शाम करीब 35 साल एक महिला की हत्या कर दी गई। मृतका का शव पत्थर मार्केट स्थित एक पीजी में तीसरी मंजिल के कमरे में डबल बेड के बॉक्स में बरामद हुआ। शाम के समय पीजी में रहने वाला लड़का जब अपने कमरे पर पहुंचा तो उसने बेड में शव देखा। इसके बाद उसने पहले पीजी मालिक व बाद में पुलिस को खबर दी। माना जा रहा कि प्रेमी दीपक ही महिला को बुलाकर पीजी में लाया था और पीजी वालों से मिलीभगत कर वह कमरे में घुस जाता था। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। महिला पर किसी धारदार हथियार से हमला करने के अलावा उसका गला भी घोंटा गया था। बाद में शव को कंबल में लपेटकर बेड के बॉक्स में डाला गया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर महिला के प्रेमी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रेमी दीपक (22) के अलावा सुरेंद्र उर्फ बॉबी और जोगिंदर के रूप में हुई है। आशंका है कि दीपक ने महिला से दुष्कर्म किया। बाद में उसकी हत्या कर दी। इस बीच शव को ठिकाने लगाने में उसके दोस्त व रिश्तेदार सुरेंद्र व जोगिंदर ने उसकी मदद की। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही कि कहीं तीनों आरोपियों ने तो उसके साथ दुष्कर्म नहीं किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को संजय गांधी अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों के हवाले किया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। बाहरी जिला के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि महिला अपने परिवार के साथ मंगोलपुरी इलाके में रहती थी। परिवार में पति के अलावा दो बेटे 16 और 8 साल व 13 साल की एक बेटी है। महिला का पति एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। वह घरेलू सहायिका थी। मंगलवार शाम करीब 4 बजे वह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़ने के लिए घर से लेकर निकली। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। 6.30 बजे बेटी का ट्यूटर उसे लेकर घर पहुंचा। बाद में महिला के गायब होने का पता चला। इसके बाद परिजनों ने महिला की तलाश शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। इस बीच महिला के फोन से किसी अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉलर ने बताया कि उसे उद्योग नगर, नांगलोई से यह फोन सड़क पर पड़ा मिला है। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। वह पुलिस थाने पहुंचे और महिला की गुमशुदगी दी। देर रात परिजनों को महिला की हत्या का पता चला। दो लाख रुपये वसूलने के लिए उतारा मौत के घाट = परिजनों का आरोप है कि दीपक महिला को ब्लैकमेल कर लगातार उससे पैसे वसूल रहा था। आरोपी महिला को बदनाम करने की धमकी देता था। परिजनों का आरोप है कि मंगलवार को महिला दो लाख रुपये लेकर घर से निकली थी।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मनीषा (पत्नी श्री नरेश कुमार) के पास प्रॉपर्टी नंबर A-31 (कुल 200 वर्ग गज में से 50 वर्ग गज का हिस्सा, जो खसरा नंबर 68/24, 25 में आता हे और हस्तसाल गांव/हस्तसाल विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित हे) के तलृ (अपर ग्राउंड फ्लोर) के सामने वाले हिस्से का मालिकाना हक है। यह हक उन्हें श्री रमेश कुमार के बेटे श्री नरेश कुमार द्वारा 15.12.2021 को किए गए नोटरीकृत GPA, ATS ओर वसीयत के ज़रिए मिला है। अब यह प्रॉपर्टी श्रीमती भारती (पत्नी संदीप मीणा) को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती राखी, पत्नी श्री विनोद सैनी, 50 वर्ग गज अर्थात 41.80 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय रिक्त भूखंड की स्वामिनी एवं कब्जेदार हैं, जो खसरा संख्या 175 मि. का भाग है तथा मोहल्ला अम्बेडकर नगर, गोधापुरी, मोदीनगर, ग्राम सिकरी खुर्द, परगना जलालाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। हमारे मुवक्किल ने उक्त संपत्ति दिनांक 20.02.2015 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से अर्जित की थी, जिसका दस्तावेज संख्या 2311, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 7636, पृष्ठ संख्या 1-14 है तथा जो दिनांक 20.02.2015 को उप-पंजीयक कार्यालय, मोदीनगर में पंजीकृत हुआ था। उक्त संपत्ति से संबंधित श्रृंखला दस्तावेजों (Chain Documents) में निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात स्वर्गीय श्री अजय कुमार, पुत्र श्री भगवान दास का मृत्यु प्रमाण-पत्र (Death Certificate) एवं एस.एम.सी. (SMC) उपलब्ध नहीं है। अतः हमारे मुवक्किल एतद्वारा घोषित करते हैं कि उनके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का उपर्युक्त वर्णित संपत्ति में कोई अधिकार, स्वत्व, हित, दावा अथवा आपत्ति नहीं है। उक्त संपत्ति श्री कुलदीप मलिक को विक्रय की गई है तथा उक्त संपत्ति को AAVAS FINANCIERS LIMITED, शाखा मोदीनगर, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित/बंधक (Mortgaged) किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा प्राधिकरण का उक्त संपत्ति अथवा उपर्युक्त अनुपलब्ध मूल दस्तावेजों के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, मांग, आपत्ति, बंधक, प्रभार, भार अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा प्रस्तावित लेन-देन बिना किसी अन्य सूचना के पूर्ण कर दिया जाएगा। इसके उपरांत प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति को हमारे मुवक्किल अथवा प्रस्तावित क्रेता पर बाध्यकारी नहीं माना जाएगा।

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Ashish Kumar Yadav S/O Ramvishal Yadav, 663/2, Gali no. 7, Subhash Nagar, Line Par, Bahadurgarh Jhajjar, Haryana Pin: 124507 Have Changed My Name To Ashish Yadav For All The Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ashish Jain S/o Mr. Daya Chand Jain is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Property Bearing No. 235, with roof/terrace rights area measuring 30.03 Sq. Mtr., Situated at Block-AG in the layout plan of Shalimar Bagh Residential Scheme, Shalimar Bagh, Delhi-110088., Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment Deed dated 02.12.2025 as Document No. 2025/15/I/19756, Book No. 1, Volume No. 16595, on pages 135-148, on dated 04.12.2025 in SR-VI-A, Pitampura., our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with IndusInd Bank Ltd., Branch: Gujranwala, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Bina Devi W/O Mr. Partap Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-Up Property area measuring 1067.00 Sq. Yds. Or 892.12 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 732, Situated in the area of Village Siraspur, Delhi-110042., Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 18.08.2026 duly regd. on SR-North Libaspur, as Doc. No. 2026/20/I/3623, in Book No. 1, Vol. No. 1938, Page No. 33-52, dated 18.08.2026.,whereas Sale Deed dated 08.02.1988 not signed by purchase i.e. S. Paramjit Singh S/o S. Mahinder Singh.,our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is to be financed / mortgaged with ECL Finance Limited Branch office at: Pusa Road New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 03 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, UDIT VIJ S/O PRAVEEN KUMAR R/O TOWER-O-102, 10TH FLOOR, GULSHAN IKEBANA, SECTOR-143, NOIDA EXPRESSWAY, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201306 HAVE CHANGED MY NAME TO UDIT PRAVEEN VIJ.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT OF LAND AREA MEASURING 158 SQ.YDS., OUT OF KHASRA NO. 132, SITUATED AT OLD LAL DORA OF VILLAGE RITHALA, DELHI STATE DELHI-110085" I.E. (1.) ORIGINAL LAL DORA CERTIFICATE ISSUED BY CONCERNED PATWARI IN FAVOUR OF MR. JAI NARAYAN AS THE OWNER IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY & (2.) CTC OF LAND STATUS REPORT ISSUED BY CONCERNED SDM IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY. HAVE BEEN LOST/NOT AVAILABLE BY/WITH THE CURRENT OWNER MRS. VIJETA AND SAID OWNER MRS. VIJETA ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE GIFT DEED DT. 10.08.2026 EXECUTED BY MR. VIKRAM SINGH AND MR. JASWANT SINGH. NOW MRS. VIJETA WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given that Late Smt. Hira Devi, resident of I-Block, House No. 456, Street No. 6, Sangam Vihar, New Delhi-110080, expired on 30.12.2020, leaving behind her sons and legal heirs:
1. Sh. Satish Mandal (Son)
2. Sh. Lalit Mandal (Son)
Late Sh. Chhedi Mandal (Father) had also expired on 06/04/2023
The above legal heirs are in the process of transferring/mutating the ownership of property bearing No. 3771-A, Sanjay Colony-1, Faridabad, Haryana-121005.
Any person having any claim, objection, right, title or interest in the said property or estate of the deceased is required to submit the same in writing, with supporting documents, to the undersigned within 30 days from the date of publication.
If no objection is received within the said period, the legal heirs shall proceed with the transfer/mutation of the property and no subsequent claim shall be entertained.

SUNIL KUMAR, ADVOCATE
Enrolment No.: D/1692-A/2007
Chamber No. 655, Saket District Court, New Delhi-110017
Contact: 9990649999
Date: 24.08.2026
Place: Delhi

NAME CHANGE
I, Ashwani Kumar S/O. Narender Singh Malik R/O. 706-B1, Tower Bharat City Phase-1, Indraprastha Yojna, Farukh Nagar Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed name my name to Ashwani Malik.

NAME CHANGE
I, Sonia D/O Krishan Gopal Bakshi, Flat No.-134, Block -C, Pocket -6 Rohini Sector -5 North West Delhi Rohini Sector -7 Pin -110085 Have Changed My Name To Sonia Bakshi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, ANKITA KATARIA W/O UDIT VIJ R/O TOWER-O-102, 10TH FLOOR, GULSHAN IKEBANA, SECTOR-143, NOIDA EXPRESSWAY, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201306 HAVE CHANGED MY NAME TO ANKKITA VIJ.

NAME CHANGE
I, VARUN BANSAL S/o Vijay Bansal R/o H.No.107 P, First Floor, Sector-30, Gurgaon, Haryana-122001, have changed my name from VARUN BANSAL to VARUN VIJAY BANSAL for all purposes

NAME CHANGE
I, SHAILENDER SINGH S/o Bilochan Singh R/o 6/6, 1st Floor, Front Side, Nehru Nagar, New Delhi-110065, have changed my name to SHAILENDER SINGH NEGI permanently.

NAME CHANGE
I, Rita W/O. Ashwani Malik R/O. 706-B1, Tower Bharat City Phase-1, Indraprastha Yojna, Nagar Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed name my name to Rita Malik.

NAME CHANGE
I HAJARE ATMARAM legally father of Army no - 2810163P, Rank - HAV
Name - HAJARE BHAGWAN ATMARAM, Presently Residing At - ADGAON, Post- KOKALGAON, Teh - WASHIM, Dist - WASHIM State- MAHARASHTRA
Pin - 444505 have changed my name from HAJARE ATMARAM to ATMARAM JIJEBA HAJARE for all future purposes, and in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 04/05/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 vide Affidavit dated 24/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RUKHMINA legally mother of Army No. 2810163P, Rank - HAV, Name - HAJARE BHAGWAN ATMARAM, Presently Residing At - Adgaon, Post □ Kokalgaon, Tehsil □ Washim, District □ Washim, State □ Maharashtra, PIN □ 444505 have changed my name from RUKHMINA to RUKHMINABAI ATMARAM HAJARE for all future purposes, In my son's service record my date of birth wrongly mentioned 23/07/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 Vide affidavit dated 24/08/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Jagveer Singh S/O Amar Singh R/O Pura Neem Danda, Bichoula, PO: Bichola, DIST: Agra, Uttar Pradesh - 283113, have changed the name of my minor son Vishant aged 15 years and he shall hereafter be known as Dishant .

NAME CHANGE
I hitherto known as Ashu Agarwal W/o Sanjeev Kumar Garg R/o House Number B-170, Ganesh Appartment Nehru Nagar -II Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Ashu Garg

NAME CHANGE
I, PUSHPA wife of No.-14870711P, Rank- SEP/MT, Name-CHANDRA BADAN, residing at VILL- BARAYABHAR URF NAKHA, POST- BIGHI, TEHSIL-KHAJNI, DIST- GORAKHPUR, UTTAR PRADESH- 273212, have changed my name from PUSHPA to PUSHAPA for all future purposes vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANJU W/o Sunil Kumar, R/o Kastala Ki Mandhaya, Kastala Kasmabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304, have changed my name and shall hereafter be known as SANJU, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammad Naasir S/O Nishar Ahmad, Y-2154, Block-Y Mangolpuri, N Block PO: Mangolpuri N Block, Dist North West Delhi, Pin 110083 Have Changed My Name To Md Naasir For All The Future Purposes.

Public Notice
I Preeti D/O Lokendra Singh R/O, Parshottampur , PO: Sahanpur , DIST : Bijnor , Uttar Pradesh □ 246749 do hereby UNDERTAKE THAT
I Preeti want to change my name to Pintu and my gender as Male.
I Preeti henceforth shall be known as Pintu S/O Lokendra Singh
The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, i will be personally responsible for the same and the department of publication will not be liable as for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE
I, NANDA DEBNATH, father of JC-678558Y, Rank- NB SUB, Name-PALASH DEBNATH, residing at VILL- DHANTALA, POST- DHANTALA, TEHSIL- RANAGHAT, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741202 have changed my name NANDA DEBNATH to NANDA KUMAR DEBNATH for all future purposes vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MUNITE DEBNATH mother of JC-678558Y, Rank- NB SUB, Name-PALASH DEBNATH, residing at VILL- DHANTALA, POST- DHANTALA, TEHSIL- RANAGHAT, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741202 have changed my name from MUNITE DEBNATH to MINATI DEBNATH for all future purposes vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, THAKUR GOPAL SINGH father of No 14871272F, Rank- SEP/MT, Name- THAKUR AJAY SINGH GOPAL SINGH residing at VILL-SARSAPUR, POST- SARSAPUR, TEHSIL- AHMEDABAD, DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-380018, have changed my name from THAKUR GOPAL SINGH to THAKUR GOPAL SING for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, T SHOBHA BEN GOPAL SINGH mother of No 14871272F, Rank-SEP/MT, Name- THAKUR AJAY SINGH GOPAL SINGH residing at VILL- SARSAPUR, POST- SARSAPUR, TEHSIL- AHMEDABAD, DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-380018, have changed my name from T SHOBHA BEN GOPAL SINGH to THAKOR SHOBHABEN for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KAILASH NARAYAN SHARMA, father of No- 14841785F, Rank-HAV/DVRSPLVEH, Name- PAVAN KUMAR SHARMA, residing at VILL-KAITHAMILL COLONY SHIVPURI, POST- SHIVPURI, TEHSIL- SHIVPURI, DIST- SHIVPURI, MADHYA PRADESH- 473551, have changed my name from KAILASH NARAYAN SHARMA to KAILASH NARAYAN for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Jai jeet SINGH S/o Balvinder Singh R/o 2/16/1-A, Teliwara, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name from JAIJEET SINGH to JAYJEET SINGH AUJLA permanently.

NAME CHANGE
I, Bishan Singh Pandir S/O Prem Singh Pundir, Khasra no-7/20, Gali no -2 Natthupura Mod, Shastri Park Part-1 Burari, North Delhi Pin -110084 Have Changed My Name To Bishan Singh Pundir For All The Future Purposes..

NAME CHANGE
I,JAIJEET SINGH S/o Balvinder Singh R/o 2/16/1-A, Teliwara, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name from JAIJEET SINGH to JAYJEET SINGH AUJLA permanently.

NAME CHANGE
I, Sangeeta, W/O Shivraj, R/O 1635, G-Block, Jahangirpuri, North West Delhi- 110033 have changed my name to Sangita for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KUMARI PURNIMA RAJ R/O. 9/39, BLOCK-9, TRILOK PURI, DELHI-110091, HAVE CHANGED MY NAME TO PURNIMA RAJ.

NAME CHANGE
I, TANISHKA SRIVASTAVA R/O. A-38, STREET NO-5, CHANDER VIHAR, I.P EXTN, LAXMI NAGAR, DELHI-110092, HAVE CHANGED MY NAME TO TANISHKA SRIVASTAV.

NAME CHANGE
I, FAIRDOSHI BIBI mother of No-14939553Y, Rank-NK, Name-MD MOTIUR RAHAMAN residing at N0175, SHIULIA, GADADHARPUR BAZAR WEST, GADHADHARPUR RS, BIRBHUM, WEST BENGAL-731234 have changed my name from FAIRDOSHI BIBI to FERDOUSI BIBI MIA for all future purposes vide Affidavit dated 24/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MD JAKKAR MIA father of No-14939553Y, Rank-NK, Name-MD MOTIUR RAHAMAN residing at N0175, SHIULIA, GADADHARPUR BAZAR WEST, GADHADHARPUR RS, BIRBHUM, WEST BENGAL-731234 have changed my name MD JAKKAR MIA to JAKKAR MIA for all future purposes vide Affidavit Dated 24/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Krishan Bhardwaj, S/o Phool Singh, R/o Veer Nagar, Birnagar, Hathras, Uttar Pradesh □ 204101, hereby declare that Krishan Bhardwaj and Krishna Kumar Sharma are one and the same person. Krishan Bhardwaj was inadvertently recorded in records. Henceforth, I shall be known as Krishna Kumar Sharma for all purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJA KUMAR S/O BIPIN KUMAR R/O H NO 15/187, KALYANPURI, PO-KALYANPURI, DIST-EAST DELHI, DELHI-110091, declare that name of my father has been wrongly written as VIPIN KUMAR in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my father is BIPIN KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ARTI SINGH wife of No 14871272F, Rank- SEP/MT, Name- THAKUR AJAY SINGH GOPAL SINGH residing at VILL-SARSAPUR, POST- SARSAPUR, TEHSIL- AHMEDABAD, DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-380018, have changed my name from ARTI SINGH to THAKUR ARTI SINGH AJAY SINGH for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

Name Correction
I, AYSHA W/O MOINUDDIN, Resident of House No. T-406, Gali No. 21, Gautampuri, Delhi-110053, hereby declare that in my daughter TAMANNA's Birth Certificate (Regd. No. MCDOLIR-2111-005022758, Regd. Date 22-12-2011, DOB 28-10-2011), my name has been wrongly recorded as AISHA instead of AYSHA, and my husband's name has been wrongly recorded as MAINUDDIN instead of MOINUDDIN. Henceforth, the correct names shall be read as AYSHA and MOINUDDIN for all purposes.

NAME CHANGE
I, JOYDEB MITRA, father of NO-14846726Y, Rank- NK/MT, Name-SRIMANTA MITRA, residing at VILL-BANDHGORA (SABUJ PALLY), POST- BOLPUR, TEHSIL-BOLPUR, DIST- BIRBHUM, WEST BENGAL-731204, have changed my name from JOYDEB MITRA to JAYDEB MITRA for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, G UMA MAHESWARI wife of JC-679469M, Rank- NB SUB/MT, Name- A VEERANAN, residing at 90/F, MALLIGAI NAGAR, MOHAMMED SHAPURAM, 5TH STREET THIRUMANGALAM, DIST-MADURAI, TAMIL NADU- 625706, have changed my name from G UMA MAHESWARI to G UMAMAHESWARI for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, V.VIDHARSHANA daughter of JC-679469M, Rank- NB SUB/MT, Name-A VEERANAN, residing at 90/F, MALLIGAI NAGAR, MOHAMMED SHAPURAM, 5TH STREET THIRUMANGALAM, DIST- MADURAI, TAMIL NADU- 625706, have changed my name from V.VIDHARSHANA to VIDHARSHANA V for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHARDA mother of No 14866814W, Rank- SEP/MT, Name-AMIT KUMAR VERMA, residing at VILL- VIZRA, POST- ALNABHARI, TEHSIL- SADAR, DIST- AYODHYA, UTTAR PRADESH- 224161, have changed my name from SHARDA to SHARDA DEVI for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PUSPA SHARMA mother of No-14841785F, Rank- HAV/DVR-SPLVEH, Name- PAVAN KUMAR SHARMA, residing at VILL-KAITHAMILL COLONY SHIVPURI, POST- SHIVPURI, TEHSIL-SHIVPURI, DIST- SHIVPURI, MADHYA PRADESH- 473551, have changed my name from PUSPA SHARMA to PUSHPA SHARMA for all future purposes, vide Affidavit dated 24/08/2026, before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, TRUPTI, legally wife of Army No. 2811725N, Rank □ HAV, Name □ GUDEKAR RAHUL RAJENDRA, presently residing at Nandgaon, Post □ Taloshi, Teh □ Mahad, Dist □ Raigad, State □ Maharashtra, PIN □ 402305, have changed my name from TRUPTI to TRUPTI RAHUL GUDEKAR for all future purposes, Vide affidavit dated 24/08/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NARESH KUMAR KALRA S/O KRISHAN LAL KALRA, R/O 21/31 BLOCK-21, OLD RAJINDER NAGAR, NEW DELHI, CENTRAL DELHI, DELHI, 110060, I have changed my name from NARESH KALRA TO NARESH KUMAR KALRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-15331715H Rank-HAV Name-VINOD VAIJU MUGALIKAR residing at VILL-BENAKANHALLI, PO-BENAKANHALLI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591108 have changed my name from VINOD V MUGALIKAR to VINOD VAIJU MUGALIKAR for all future purposes vide Affidavit dated 24/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I RESHAMA legally mother of Army no -15231852M, Rank - L/NK, Name - BAJARANG, Presently Residing At - MUANA, Post-MUANA, Teh - SAFIDON, Dist - JIND State- HARYANA, Pin - 126112 have changed my name RESHAMA to RESHMA for all future purposes, in my son□s service records my date of birth wrongly mentioned as 11/10/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide affidavit dated 24/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I RAJ PAL legally father of Army no -15231852M, Rank - L/NK, Name - BAJARANG, Presently Residing At - MUANA, Post- MUANA, Teh - SAFIDON, Dist - JIND State-HARYANA, Pin - 126112 have changed my name RAJ PAL to RAJPAL for all future purposes, in my son□s service records my date of birth wrongly mentioned as 15/06/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide affidavit dated 24/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I,ASHISH KUMAR S/O HUKAM SINGH R/O HOUSE NO-174/22, GALI NO-9, GANDHI NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM LUV TO LUV KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,ASHISH KUMAR S/O HUKAM SINGH R/O HOUSE NO-174/22, GALI NO-9, GANDHI NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM KUSH TO KUSH KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Amit S/O, S N Sharma R/O, Delhi-110058 has changed my 51-B, A-1/A, Janak Puri, New name to Amit Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ram Moorat S/o Ram Saran R/o Village benipur, post itwa kungai,itawa po-paikolia dist: Basti Uttar pradesh-272181 have changed my name to Ram Murti.

NAME CHANGE
I SHOBHIT KUMAR S/O DAMODER GOYAL R/O1/10 MANDOLI CHUNGI EXTN DELHI 110093 HAVE CHANGED MY NAME TO SHOBHIT GOYAL

सार्वजनिक सूचना
संगठनात्मक चुनाव एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति की सूचना

यह सर्वसाधारण, पार्टी के सदस्यों, समर्थकों, वैधानिक प्राधिकारियों, सरकारी विभागों, निर्वाचन प्राधिकारियों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों, मीडिया संस्थानों तथा अन्य सभी संबंधित हितधारकों को सूचित किया जाता है कि **परिवर्तन राजनीति पार्टी (Parivartan Rajniti Party)**, जो एक पंजीकृत राजनीतिक दल है, का **संगठनात्मक निर्वाचन** पार्टी के संविधान, नियमों, उपनियमों तथा लागू विधिक प्रावधानों के अनुरूप विधिवत संपन्न किया गया।

उक्त संगठनात्मक निर्वाचन के परिणामस्वरूप निम्नलिखित पदाधिकारियों को **वर्ष 2026 से 2030 की अवधि के लिए विधिवत निर्वाचित/नियुक्त** किया गया है तथा वे दिनांक **25 अगस्त, 2026** से अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे:

1. **राष्ट्रीय अध्यक्ष – VIJAY SAI REDDY VENUMBAKA**
2. **महासचिव – NANDAMURI ALEKHYA**
3. **कोषाध्यक्ष – MULUGU DAKSHINAMURTHY**

संगठनात्मक निर्वाचन प्रक्रिया **स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक तरीके से** पार्टी के संविधान एवं नियमों के अनुसार संपन्न की गई। उक्त निर्वाचन के परिणामों को पार्टी के सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत अनुमोदित, पुष्ट एवं अनुसमर्थित किया गया है।

अतः यह सार्वजनिक सूचना **सामान्य जानकारी, आधिकारिक अभिलेख तथा वैधानिक एवं प्रशासनिक अनुपालन** के उद्देश्य से जारी की जा रही है। इसके माध्यम से सभी संबंधित सरकारी विभागों, निर्वाचन प्राधिकारियों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों, वैधानिक निकायों, सरकारी प्राधिकारियों, मीडिया संस्थानों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त व्यक्ति **वर्ष 2026–2030 की अवधि के लिए परिवर्तन राजनीति पार्टी के विधिवत अधिकृत पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि** हैं।

उपर्युक्त पदाधिकारी अपने-अपने पद एवं पार्टी द्वारा प्रदत्त अधिकारों की सीमा के अंतर्गत पार्टी की ओर से किए गए सभी आधिकारिक पत्राचार, संचार, अभ्यावेदन, आवेदन, घोषणाओं, बैंकिंग एवं वित्तीय लेन-देन, वैधानिक दाखिलों तथा अन्य अधिकृत कार्यों के लिए पार्टी के विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि होंगे और ऐसे कार्य पार्टी की ओर से विधिसम्मत एवं बाध्यकारी माने जाएंगे।

अतः सभी संबंधित प्राधिकारी एवं संस्थाओं से अनुरोध है कि उपर्युक्त संगठनात्मक परिवर्तन एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति का संज्ञान लेते हुए अपने संबंधित अभिलेखों/रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन एवं अद्यतन करें।

यह सार्वजनिक सूचना **दिनांक 25 अगस्त, 2026** को जारी की जाती है।

पार्टी के आदेश से
परिवर्तन राजनीति पार्टी की ओर से

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत में ढाबा संचालक की छाती में गोली मारकर हत्या, आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर परिजनों ने NH-44 किया जाम

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत हरियाणा के सोनीपत से एक सनसनीखेज वारदात की खबर सामने आ रही है। यहां एक मामूली कहासुनी में ढाबा संचालक की छाती में गोली मारकर हत्या कर दी गई।घटना से आक्रोशित परिजनों ने कुंडली बॉर्डर नेशनल हाईवे 44 को जाम किया। नरेंद्र के शव को लेकर नेशनल हाईवे 44 पर ग्रामीण बैठ गए है। परिवार के लोगों का कहना जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी तब तक हाईवे जाम रहेगा। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नरेंद्र खत्री के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि ढाबे के कर्मचारी ने तेज रफ्तार स्कूटी चलाने पर टोक दिया। इसी बात पर मामले ने उग्र रुप धारण कर लिया। युवकों ने कर्मचारी को पीटना शुरु कर दिया। बीच बचाव कराने आए ढाबा संचालक की छाती में एक युवक ने गोली मार दी, जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई।वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंचकर कुंडली थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक की 6 साल पहले शादी हुई थी और उसके दो बच्चे है।

वहीं घटना को लेकर परिजनों मे आक्रोश है। परिजनों ने कुंडली बॉर्डर नेशनल हाईवे 44 को जाम किया। नरेंद्र के शव को लेकर नेशनल हाईवे 44 पर ग्रामीण बैठ गए है। परिवार के लोगों का कहना जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी तब तक हाईवे जाम रहेगा। नरेंद्र की हत्या के बाद ग्रामीणों ने शव को लेकर करनाल और दिल्ली हाईवे को पूरी तरह जाम किया। पुलिस के आला अधिकारी कुंडली थाना प्रभारी मौके पर मौजूद है। पुलिस के आला अधिकारी ग्रामीणों को समझने का प्रयास कर रहे हैं।

अमृतसर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तीन अवैध हथियार, ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब में नशे और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अवैध हथियार एवं ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ अवैध पिस्तौल और 6.311 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले 27 अगस्त के बंद से व्यापारियों और आम लोगों को होगी परेशानी: लक्ष्मीकांता चावला

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब की पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांता चावला ने विभिन्न सरकारी कर्मचारी यूनियनों और पेंशनभोगी संगठनों द्वारा लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के बकाये समेत अपनी मांगें पूरी न होने के विरोध में 27 अगस्त 2026 को राज्यव्यापी हड़ताल और 'महाबंद' को लेकर चिंता जताते हुए बंद का आह्वान करने वालों और पंजाब सरकार से बातचीत के जरिए ऐसा समाधान निकालने की अपील की है, जिससे 27 अगस्त को किसी भी तरह का बंद न हो।

प्रो. चावला ने कहा कि 28 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार है और उससे ठीक एक दिन पहले बंद होने से व्यापारियों, छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ-साथ आम परिवारों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से एक दिन पहले लोग मिठाइयां, फल, राखियां, उपहार और अन्य जरूरी सामान खरीदते हैं तथा इस दिन बाजारों में व्यापार भी काफी अधिक होता है। उन्होंने कहा कि मिठाई और फल ऐसी वस्तुएं हैं, जिन्हें लोग त्योहार से कई दिन पहले खरीदकर नहीं रख सकते। इसके अलावा छोटे दुकानदार और रेहड़ी-पटरी वाले भी रक्षाबंधन से जुड़े सामान की बिक्री से अपनी आजीविका कमाते हैं। ऐसे में बंद के लिए त्योहार से ठीक पहले का दिन चुना जाना इन लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पंजाब पहुंचे बी.एल. संतोष, भाजपा संगठन को मजबूत करने के लिए पांच जोनल बैठकों में करेंगे मंथन

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष सोमवार को दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर पंजाब पहुंचे। उनका यह दौरा 24 और 25 अगस्त को होगा, जिसके दौरान वह पार्टी नेताओं और संगठनात्मक पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर पंजाब में भाजपा की संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मोहाली हवाई अड्डे पर भाजपा पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पंजाब भाजपा के सह-प्रभारी नरिंदर सिंह रैना ने श्री संतोष का स्वागत किया।

भाजपा का मीडिया विभाग मजबूत, सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर : भूपेश्वर दयाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी भूपेश्वर दयाल के नेतृत्व में पार्टी के मीडिया विभाग को और अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मीडिया विभाग एवं प्रदेश प्रवक्ताओं की संयुक्त टीम की बैठक में संगठन की गतिविधियों, सरकार की उपलब्धियों और जनहित की नीतियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने को लेकर व्यापक मंथन किया गया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता तथा प्रदेश महामंत्री सत्यप्रकाश जरावता का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मुख्य प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा के साथ प्रदेश मीडिया प्रभारी भूपेश्वर दयाल ने मीडिया टीम के सदस्यों के साथ संवाद और समन्वय को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना प्राथमिकता

भूपेश्वर दयाल ने कहा कि भाजपा सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासन के संकल्प के साथ लगातार आगे बढ़ रही है। सरकार की योजनाओं और नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। ऐसे में मीडिया विभाग की जिम्मेदारी है कि सरकार के कार्यों और उपलब्धियों की सही जानकारी तथ्यों के साथ जनता तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल भाजपा की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। पार्टी का मीडिया विभाग इसी समन्वय को और प्रभावी बनाते हुए सरकार के सकारात्मक कार्यों को जनता के सामने रखने का काम कर रहा है।

संगठनात्मक मजबूती पर भी मंथन

बैठक में प्रदेश प्रवक्ताओं और मीडिया टीम के बीच बेहतर तालमेल, समसामयिक मुद्दों पर पार्टी का पक्ष प्रभावी तरीके से रखने तथा संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रचारित करने को लेकर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संगठन के लिए स्पष्ट संवाद और त्वरित प्रतिक्रिया बेहद जरूरी है।

भूपेश्वर दयाल ने कहा कि भाजपा का मीडिया विभाग केवल राजनीतिक प्रतिक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार की नीतियों, विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी को तथ्यात्मक एवं प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाने का माध्यम भी है।

सशक्त संवाद से मजबूत होगा संगठन

उन्होंने कहा कि सशक्त संवाद, बेहतर समन्वय और मजबूत संगठन के लक्ष्य के साथ मीडिया विभाग निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में मीडिया टीम को और अधिक सक्रिय, संगठित तथा परिणामोन्मुख बनाया जाएगा।

हरियाणा में मिड-डे-मील की हाजिरी की होगी तीन स्तरीय जांच, अब डिजिटल निगरानी से फर्जीवाड़े पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी

चंडीगढ़. हरियाणा के सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील यानी पीएम पोषण योजना के तहत बच्चों की उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था अब और सख्त कर दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने हाजिरी में किसी भी तरह की गड़बड़ी, गलत आंकड़े या फर्जीवाड़े की संभावना रोकने के लिए विद्यार्थियों की उपस्थिति का तीन स्तर पर रिकॉर्ड रखना अनिवार्य कर दिया है। कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की रोजाना हाजिरी अब हाजिरी रजिस्टर के साथ-साथ पीएम पोषण एप और एमआईएस पोर्टल पर भी दर्ज की जाएगी।

विभागीय व्यवस्था के मुताबिक तीनों रिकॉर्ड का आपस में मिलान किया जाएगा। यदि रजिस्टर, एप और एमआईएस पोर्टल पर दर्ज विद्यार्थियों की संख्या में अंतर पाया जाता है तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित स्कूल मुखिया की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

एक ही हाजिरी, तीन रिकॉर्ड में दर्ज होगी

नई व्यवस्था के तहत केवल हाजिरी रजिस्टर में विद्यार्थियों की संख्या दर्ज करना पर्याप्त नहीं होगा। कक्षा अध्यापक को प्रतिदिन विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करनी होगी और उपस्थित बच्चों की संख्या मिड-डे-मील इंचार्ज को उपलब्ध करवानी होगी।

अध्यापक के हस्ताक्षर के बाद मिड-डे-मील इंचार्ज रजिस्टर में कुल उपस्थिति दर्ज करेगा। इसके बाद स्कूल मुखिया के हस्ताक्षर लिए

NAME CHANGE
I hitherto known as MANJU W/o Sunil Kumar, R/o Kastala Ki Mandhaya, Kastala Kasmabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304, have changed my name and shall hereafter be known as SANJU, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Binita Basnet D/o Durga Bista, and W/o Gopal Basnet, R/o Toribari Senapati, Manipur-795129, have changed my name and shall hereafter be known as Bishnumaya Devi, for all future purposes.

है कि हाजिरी रजिस्टर, पीएम पोषण एप और एमआईएस पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों में समानता होना जरूरी है। किसी भी स्तर पर अंतर मिलने पर संबंधित स्कूल की कार्यप्रणाली की जांच की जा सकती है। स्कूल मुखिया को यह सुनिश्चित करना होगा कि कक्षा अध्यापक द्वारा दी गई उपस्थिति, रजिस्टर में दर्ज संख्या और दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपडेट आंकड़े एक-दूसरे से मेल खाते हों। इस व्यवस्था से डिजिटल रिकॉर्ड को केवल सूचना दर्ज करने का माध्यम न रखकर निगरानी और जवाबदेही का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है।

हर ब्लॉक में रोजाना पांच स्कूलों की होगी जांच

निगरानी व्यवस्था को स्कूल स्तर तक सीमित नहीं रखा गया है। खंड शिक्षा अधिकारी यानी बीईओ को अपने ब्लॉक में प्रतिदिन रैंडम आधार पर कम से कम पांच स्कूलों का चयन कर मिड-डे-मील की हाजिरी की जांच करनी होगी। चयनित स्कूलों से हाजिरी रजिस्टर की प्रति मंगवाई जाएगी। इस प्रति पर संबंधित स्कूल मुखिया के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इससे जांच अधिकारियों के पास प्रमाणित रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा और रिकॉर्ड में बाद में बदलाव की संभावना को भी कम किया जा सकेगा।

डिप्टी डीईओ भी पांच स्कूलों का करेंगे निरीक्षण

बीईओ के अलावा डिप्टी डीईओ स्तर पर भी प्रतिदिन निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक डिप्टी डीईओ को रैंडम आधार पर पांच स्कूलों का चयन कर वहां के मिड-डे-मील हाजिरी रजिस्टर की प्रति मंगवानी होगी। इस तरह स्कूलों में दर्ज विद्यार्थियों की उपस्थिति की जांच दो अलग-अलग अधिकारी स्तरों से की जाएगी। विभाग का यह दोहरा निरीक्षण तंत्र स्कूल से लेकर ब्लॉक और उपमंडल स्तर तक रिकॉर्ड की नियमित निगरानी सुनिश्चित करेगा।

हिसार-दिल्ली NH -9 पर भीषण सड़क हादसा, ट्रक में घुसी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो...उड़े परखच्चे; मौके पर युवक ने तोड़ा दम

हांसी में हिसार-दिल्ली नेशनल हाईवे -9 पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पूरी गाडी ट्रक के नीचे जा फंसी।

एजेंसी

हांसी। हांसी में हिसार-दिल्ली नेशनल हाईवे -9 पर रविवार रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पूरी गाड़ी ट्रक के नीचे जा फंसी। हादसे में स्कॉर्पियो सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक को मामूली चोटें आईं।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्कॉर्पियो ट्रक के नीचे फंसी होने के कारण दोनों वाहनों को हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ट्रक और स्कॉर्पियो को सड़क से नीचे उतारकर रास्ता खाली करवाया गया।

डायल 112 इंचार्ज रामपाल ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर स्कॉर्पियो में दो युवक सवार मिले। रामपाल के अनुसार, स्कॉर्पियो सवार दोनों युवक बीयर पी रहे थे, जबकि ट्रक चालक के भी शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। प्राथमिक जांच में स्कॉर्पियो की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है। इसी दौरान स्कॉर्पियो ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई।

Haryana : सरकार ने पहली बार स्कूल-वार सुविधाओं का किया विस्तृत आकलन, 14,300 विद्यालयों का तैयार हुआ पूरा खाका

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शिक्षा विभाग ने अब स्कूलवार जरूरत को विकास का आधार बनाने की तैयारी की है। प्रदेश के 14,300 से अधिक सरकारी स्कूलों की मौके पर जाकर विस्तृत मैपिंग कराई गई है। इस दौरान प्रत्येक विद्यालय में भवन, कक्षा-कक्ष, शौचालय, चारदीवारी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का आकलन किया गया। ग्राउंड सर्वे के आधार पर करीब 2,800 विकास कार्यों की पहचान हुई है। सरकार ने पहले चरण में इन कार्यों के लिए 130 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

अब शिकायत नहीं, स्कूल की वास्तविक स्थिति बनेगी विकास का आधार

सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार की प्रक्रिया में यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि अब केवल कागजी रिपोर्ट या स्थानीय मांग के आधार पर कार्य तय नहीं होंगे। स्कूल की वास्तविक स्थिति का मौके पर आकलन कर यह तय किया जाएगा कि वहां सबसे पहले किस सुविधा की जरूरत है। ग्राउंड मैपिंग के दौरान तकनीकी अधिकारियों के साथ शिक्षा

विभाग के फील्ड अधिकारियों और स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों को भी शामिल किया गया। जेई सिविल, एसडीई, बीईओ, एबीआरसी तथा एसएमसी सदस्यों ने स्कूलों का निरीक्षण कर सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।

हर स्कूल के लिए अलग माइक्रो प्लान

पूरे प्रदेश के स्कूलों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। कहीं अतिरिक्त कक्षा-कक्ष की जरूरत है तो कहीं चारदीवारी की, जबकि कुछ विद्यालयों में पुराने भवनों की मरम्मत या जर्जर ढांचे को हटाने की आवश्यकता सामने आई है। इसी अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक स्कूल के लिए माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। इसमें स्कूल की मौजूदा स्थिति के साथ-साथ तत्काल और भविष्य की जरूरतों को भी शामिल किया गया है। इससे विकास कार्यों को प्राथमिकता तय करने में विभाग को मदद मिलेगी।

2,800 विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी

ग्राउंड मैपिंग के बाद करीब 2,800 विकास कार्य चिन्हित किए गए हैं। इनमें जर्जर और अनुपयोगी भवनों को हटाना, नए कक्षा-कक्षों का निर्माण, चारदीवारी तैयार करना, नए शौचालय बनाना तथा विभिन्न भवनों की मरम्मत और रखरखाव से जुड़े कार्य शामिल हैं। पहले चरण में सरकार ने 130 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इससे चिह्नित कार्यों को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। आगे उपलब्ध बजट और प्राथमिकता के आधार पर अन्य कार्यों को भी पूरा करने की योजना है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं पर विशेष जोर

स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान में समावेशी शिक्षा को भी स्थान दिया गया है। दिव्यांग और विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं विकसित करने को लेकर 11.01 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि से 484 लड़कों और 173 लड़कियों के लिए नए शौचालय बनाए जाएंगे। इसके अलावा 97 दिव्यांग-अनुकूल शौचालय और 51 रैंप तैयार किए जाएंगे। पुराने शौचालयों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य भी योजना में शामिल किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांग विद्यार्थियों को स्कूल परिसर में आने-जाने और आवश्यक सुविधाओं के इस्तेमाल में किसी तरह की बाधा न हो।

फरीदाबाद : बेटी के प्रेम विवाह से खफा हुआ परिवार, दामाद के परिजनों पर लाठी-डंडों से किया ताबड़तोड़ हमला, 6 लोग घायल

फरीदाबाद के एनआईटी क्षेत्र की संजय कॉलोनी से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक युवक और युवती ने प्रेम प्रसंग के चलते कोर्ट मैरिज की। आरोप है कि शादी से नाराज युवती के परिजन युवक के घर पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर...

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के एनआईटी क्षेत्र की संजय कॉलोनी से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक युवक और युवती ने प्रेम प्रसंग के चलते कोर्ट मैरिज की। आरोप है कि शादी से नाराज युवती के परिजन युवक के घर पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में युवक के परिवार के करीब छह लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि संजय कॉलोनी इलाके के रहने वाले एक युवक ने युवती के साथ कोर्ट मैरिज की थी। आरोप है कि इस शादी से नाराज युवती के परिजन युवक के परिवार के घर पहुंचे और वहां विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया परिजनों का आरोप है कि हमले में परिवार के करीब छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं, घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि कोर्ट मैरिज के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते कथित तौर पर युवक के परिवार पर हमला किया गया। परिवार ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि शिकायत और सामने आए वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत फिसली

सोना 1,132 रुपए तेज होकर 1,63,570, चांदी 1,000 रुपए गिरकर 2,45,597 पर

नई दिल्ली।

सोना अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित बायबैक की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में तेजी दर्ज की गई है। इस कदम ने निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की ओर बढ़ा दिया है, जबकि चांदी के भावों में सुस्ती का रुख देखने को मिला। वै श्विक बाजार में सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 69 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 386 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,052 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,62,438 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,132 रुपये की तेजी के साथ 1,63,570 रुपये के भाग,व पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,63,585 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,62,001 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,45,597 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,46,597 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपये की गिरावट के साथ 2,46,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,46,475 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,44,815 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,673.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,680.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 25.70 डॉलर की तेजी के साथ 4,706.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 69.34 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 69.53 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.37 डॉलर की गिरावट के साथ 69.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स का शेयर बाजार में मिला-जुला असर

नई दिल्ली ।

ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स लिमिटेड के शेयरों ने सोमवार को शेयर बाजार में मिला-जुला डेब्यू किया। कंपनी का निर्गम मूल्य 60 रुपये प्रति शेयर था, जिसके मुकाबले बीएसई पर शेयर 0.58 प्रतिशत टूटकर 59.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि एनएसई पर इसने 0.41 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 60.25 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,873.63 करोड़ रुपये रहा।

2,600 करोड़ रुपये के इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बोली के अंतिम दिन 1.45 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने शेयर के लिए 57-60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से पहले, होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स ने एंकर निवेशकों से 1,168 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ की राशि मुख्य रूप से कर्ज चुकाने में प्रयोग होगी।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे के विकास, स्वामित्व और संचालन का काम करती है। यह 10 शहरों में करीब छह करोड़ वर्ग फुट के 46 परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 171 अंक, निफ्टी 33 अंक फिसला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 171 अंक नीचे आकर 77,369 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 अंकों की गिरावट के साथ ही 24219 पर बंद हुआ। आज सबसे अधिक गिरावट बैंकों के शेयरों में रही। निफ्टी पीएसयू इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नीचे आया जबकि धातु क्षेत्र में तेजी रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी में शामिल 50 में से 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जिसमें सबसे ज्यादा गिरावट एसएसबीआई लाइफ, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस समेत बजाज फिनसर्व के शेयरों में दर्ज की गई। इन शेयरों में 1-1.7 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बढ़त वाले शेयरों में जेएस डब्लयू स्टील, हिंडाल्को के शेयर 2 से 25 फीसदी उछले जबकि आईटी सेक्टर में एचसीए टेक और

इंफोसिस के शेयर भी 0.8 से 1.5 फीसदी बढ़े जिससे बाजार को निचले स्तरों से समर्थन मिला और इससे गिरावट रुकी रही। इसके अलावा आज विशाल मेगा मार्ट, मुथूट फाइनेंस और सीमेंस के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 0.30 फीसदी बढ़कर 77,769.91 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 24,301.65 का स्तर देखा गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों की आहट, ईरान पर सख्ती से पहले कच्चे तेल में गिरावट

निवेशकों ने की मुनाफावसूली, ब्रेंट क्रूड 1.3 और डब्ल्यूटीआई 1.6 फीसदी गिरा

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा से पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने पिछले सप्ताह की तेजी के बाद मुनाफावसूली की, वहीं अमेरिका द्वारा ईरान के आर्थिक संबंधों को निशाना बनाने की तैयारी ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 93.16 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.6 फीसदी फिसलकर 85.70 डॉलर पर पहुंच गया। यह निवेशकों की मुनाफावसूली और आगामी अमेरिकी प्रतिबंधों की अनिश्चितता का परिणाम था। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया है, जिसका लक्ष्य ईरान के आर्थिक संबंधों पर दबाव बढ़ाना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान की मदद करने वाले देशों को चेतावनी दी है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। ईरान ने अमेरिकी धमकियों को दबाव और हताशा बताते हुए खारिज किया है और आर्थिक दबाव से निपटने के रास्ते तलाशने की बात कही।

रियल एस्टेट बिक्री बुकिंग 21 फीसदी गिरी

अप्रैल-जून तिमाही में 40,000 करोड़ के करीब; गोदरेज का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की सामूहिक बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 21 प्रतिशत घटकर लगभग 40,000 करोड़ रुपए रह गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और कुछ बड़ी कंपनियों द्वारा नई आवासीय परियोजनाएं शुरू न करने के कारण यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 50,900 करोड़ रुपए था। निवेशकों को दी गई प्रस्तुतियों से मिले आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल बिक्री बुकिंग 39,964 करोड़ रुपए रही। हालांकि, 28 कंपनियों में से 19 ने बिक्री-बुकिंग में वृद्धि दर्ज की। इसमें गोदरेज प्रॉपर्टीज 8,651 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे आगे रही, जो पिछले साल 7,082 करोड़ रुपए थी। वहीं, डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 11,425 करोड़ रुपए से घटकर महज 657 करोड़ रुपए रह गई, जिसका मुख्य कारण तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू न करना रहा। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स भी 12,126 करोड़ रुपए से घटकर 6,579 करोड़ रुपए पर आ गई।

लोढ़ा और सोभा जैसी कंपनियों ने मजबूत वृद्धि दर्ज की। रियल एस्टेट सलाहकारों के अनुसार, इस सामूहिक गिरावट के पीछे प्रमुख कंपनियों द्वारा नई परियोजनाएं शुरू न करना, पिछले साल का मजबूत आधार प्रभाव और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते संभावित घर खरीदारों का सतर्क रुख जैसे कारक रहे।

24 से 31 अगस्त के बीच 9 आईपीओ, निवेश से पहले जोखिम समझें

नईदिल्ली । शेयर बाजार में इस सप्ताह आईपीओ की जोरदार हलचल है। 24 से 31 अगस्त के बीच नौ कंपनियां करीब 3,500 करोड़ जुटाने के लिए बाजार में उतर रही हैं। इनमें फार्मा, लॉजिस्टिक्स, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, टेक्सटाइल, प्रोजेक्ट्स और पावर सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं।

सबसे बड़ा इश्यू सिम्बायोटेक फार्मालैब का 1,757 करोड़ का है। कंपनी एपीआई, न्यूट्रिशनल और स्पेशियलिटी उत्पाद बनाती है। इसकी दो-तिहाई से अधिक आय अंतरराष्ट्रीय बाजारों से आती है। कंपनी के शीर्ष पांच उत्पादों से करीब 63त राजस्व आना निवेशकों के लिए जोखिम है। इश्यू में रु1,607 करोड़ का हिस्सा ऑफर फॉर सेल का है, जबकि केवल 150 करोड़ नया पूंजी निवेश है।

2.स्काईवेज एयर सर्विसेज का 582.80 करोड़ का इश्यू भी निवेशकों के आकर्षण में है। कंपनी एयर और ओशन फ्रेट फॉरवर्डिंग का कारोबार करती है, उसकी आय का बड़ा हिस्सा एयर फ्रेट पर निर्भर है। वैश्विक व्यापार, मुद्रा दरों और अंतरराष्ट्रीय नीतियों में बदलाव से कारोबार हमेशा प्रभावित हो सकता है।

3.हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स, एबीएच हेल्थकेयर, अन्नू प्रोजेक्ट्स, सुमैक्स इंजीनियरिंग, ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज और क्लिक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस के इश्यू भी इसी अवधि में निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं।

निवेशकों को केवल जीएमपी देखकर निवेश नहीं करना चाहिए।एसएमई कंपनियों में कम कारोबार और ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम हमेशा बना रहता है। कंपनी का कर्ज, मुनाफा, प्रमोटर हिस्सेदारी, वैल्यूएशन और आईपीओ से मिलने वाली राशि को देखकर ही फैसला करना बेहतर होगा। कंपनी जिस तरीके से भारी प्रीमियम ले रहे हैं उसमें निवेशकों का जोखिम भी बढा है। निवेशकों को इशयु में सोच समझकर निवेश करने की सलाह दी गई है।

	कंपनी का नाम	आईपीओ खुलने की तारीख	आईपीओ बंद होने की तारीख	फेस वैल्यू	प्राइस बैंड	रिटेल प्राइस बैंड	इश्यू साइज
1	सिम्बायोटेक फार्मालैब	24 अगस्त	27 अगस्त	रु2	रु938-रु988	रु936-रु986	रु1,757 करोड़
2	स्काईवेज एयर सर्विसेज	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु131-रु138	रु121-रु128	रु582.80 करोड़
3	हाई-टेक इंजीनियर्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु5	रु50-रु53	रु45-रु48	रु135.73 करोड़
4	मधुर निट क्राफ्ट्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु95-रु100	रु85-रु90	रु53.27 करोड़
5	एबीएच हेल्थकेयर	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु96-रु102	रु86-रु92	रु34.98 करोड़
6	अनु प्रोजेक्ट्स	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु94-रु99	रु84-रु89	रु175.06 करोड़
7	सुमैक्स इंजीनियरिंग	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु95-रु101	रु85-रु91	रु53.40 करोड़
8	ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज	27 अगस्त	31 अगस्त	रु5	रु78-रु82	रु73-रु77	रु700 करोड़
9	क्लिक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस	27 अगस्त	31 अगस्त	रु10	रु85-रु90	रु75-रु80	रु50.77 करोड़

नोट- सिम्बायोटेक फार्मालैब, स्काईवेज एयर सर्विसेज, हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स और एबीएच हेल्थकेयर के आईपीओ की तारीखें और प्राइस बैंड उपलब्ध आईपीओ कैलेंडर के अनुसार हैं।

कनाडा-अमेरिका व्यापार वार्ता टूटी, भारत-कनाडा व्यापार समझौते को मिली नई गति

प्रधानमंत्री कार्नी ने अमेरिका पर अन्य व्यापारिक सौदों को सीमित करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली ।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटने से दोनों पड़ोसी देशों के व्यापारिक संबंधों में खटास आ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों से नाराज कनाडा अब नए बाजारों की तलाश में जुट गया है, जिससे भारत के साथ उसके बहुप्रतीक्षित समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को एक नया रणनीतिक आयाम मिल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर अंतिम समय में अन्य व्यापारिक सौदे करने की कनाडा की क्षमता को प्रतिबंधित करने का आरोप लगाते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। अमेरिका से वार्ता टूटने के बाद, कनाडा ने डेढ़ अरब उपभोक्ताओं तक अपनी शुल्क-मुक्त पहुंच को अगले छह महीनों में भारत और आसियान जैसे नए समझौतों से दोगुना करने का संकल्प लिया है। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने 20 अरब डॉलर के कनाडाई वस्तु आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जिसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी शुल्क लगाने की कसम खाई है। यह घटनाक्रम भारत-कनाडा सीईपीए पर बातचीत को निर्णायक बढ़त दे सकता है। नीति आयोग के पूर्व सदस्य अरविंद विरमानी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन में तेजी लाने का आह्वान किया है।

वहीं ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के एक अे धिकारी ने इसे भारत के लिए चेतावनी बताया, जो अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने भारत को अपनी नियामक और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा और संतुलित लाभ वाली रियायतों पर जोर देने को कहा।

भारत और कनाडा ने इस साल मार्च में सीईपीए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करना है।

रुपया एक पैसे की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 95.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे चढ़कर 95.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव जारी रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक कमजोर हुआ है, लेकिन ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमत और आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को केवल तीन पैसे चढ़कर 95.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 98.82 पर रहा।

अमेरिका-भारत के शेयर महंगे, यूरोप में ज्यादा आकर्षक एफसीएफ यील्ड- रिपोर्ट

यूरोपीय इक्विटी भारतीय-अमेरिकी बाजारों से अधिक आकर्षक, निवेशक अब 'वैल्यू' बाजारों पर केंद्रित

नई दिल्ली।

एक ताजा वैश्विक रणनीति रिपोर्ट में कहा है कि जैसे-जैसे मूल्यांकन बढ़ रहे हैं, अमेरिका और भारत के शेयर बाजार, फ्री कैश फ्लो (एफसीएफ) यील्ड के मामले में कम आकर्षक होते जा रहे हैं जबकि यूरोप जैसे वैल्यू-ओरिएंटेड मार्केट काफी ज्यादा यील्ड दे रहे हैं। फ्री कैश फ्लो यील्ड असल में किसी कंपनी द्वारा अपने बाजार मूल्य के मुकाबले सृजित की गई वास्तविक नकदी का प्रतिशत में मापने का पैमाना होता है। चूंकि अमेरिकी बाजार महंगे लगने लगे हैं, इसलिए निवेशक दूसरे बाजारों की ओर देख रहे हैं, जहां कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं और मूल्यांकन के हिसाब से अभी भी आकर्षक हैं। उनका ज्यादा ध्यान एशिया के बजाय यूरोप पर है। टेक-प्रधान एसएेंडपी 500 इंडेक्स का एफसीएफ यील्ड 2.7 फीसदी है जबकि यूरोपीय इक्विटी के बड़े इंडेक्स स्टॉक्स 600 का एफसीएफ यील्ड 5 फीसदी है। निफ्टी 50 के लिए भी यह आंकड़ा 2.7 फीसदी है, जो एसएेंडपी 500 के बराबर है, लेकिन इसमें एआई का कोई योगदान नहीं है। फ्री कैश फ्लो यील्ड एक वित्तीय पैमाना है, जो कंपनी के बाजार पूंजीकरण के मुकाबले नकदी सृजित करने की क्षमता बताता है। यह संख्या जितनी ज्यादा होती है, नकदी पैदा करने की क्षमता उतनी ही बेहतर मानी जाती है। पिछले कुछ सालों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के पूंजीगत खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय संकट के बाद के लगभग एक दशक में ये कंपनियां बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगीं। उन्हें सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग से फायदा हुआ और साथ ही डॉट कॉम दौर में किए गए पूंजी निवेश का भी लाभ मिला। उन्हें कम पूंजी की जरूरत थी और शून्य ब्याज दरों की वजह से उन्हें अच्छे मूल्यांकन का फायदा मिला।

लार्सन एंड टुब्रो को मिडिल ईस्ट में 15,000 करोड़ से अधिक का अल्ट्रा-मेगा गैस प्रोजेक्ट हासिल

मुंबई।

भारत की दिग्गज इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने युद्धग्रस्त मिडिल ईस्ट में विशाल ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी को मध्य पूर्व में एक अल्ट्रा-मेगा गैस कंप्रेशन प्रोजेक्ट का ठेका मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 15,000 करोड़ रुपये से अधिक है। एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन (एलटीईएच ऑनशोर) नामक कंपनी की हाइड्रोकार्बन ब्रांच ने बड़े प्रोजेक्ट के लिए प्रतिष्ठित क्लाइंट के साथ समझौता किया है।एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह एक ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) प्रोजेक्ट है, जिसका अर्थ है कि गैस कंप्रेशन प्लांट की पूरी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण की जिम्मेदारी एलएंडटी की होगी।

इस परियोजना के तहत गैस इनलेट सुविधाएं, गैस कंप्रेशन सिस्टम, कंडेनसेट और उत्पादित पानी हैंडलिंग सिस्टम, प्रोपेन रेफ्रिजरेशन सिस्टम और अन्य संबंधित उपयोगिताएं विकसित की जाएंगी।

विशेष रूप से, यह प्लांट सोर गैस को प्रोसेस करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिसे तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

इस विशाल परियोजना की भारी बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एलएंडटी का पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस भी इसमें योगदान देगा।

वे दो 230 केवी एक्स्ट्रा-हाई-वोल्टेज सब-स्टेशन का निर्माण करेगा। एलटीईएच ऑनशोर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड ने इस कॉन्ट्रैक्ट को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की गैस कंप्रेशन क्षमता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, साथ ही जटिल हाइड्रोकार्बन सुविधाओं को संभालने में एलएंडटी के गहरे अनुभव को दिखाता है।

यह ऑर्डर तब आया है जब मिडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है, जो इस प्रोजेक्ट को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। लगभग 32 बिलियन डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी एलएंडटी पिछले आठ दशकों से ईपीसी प्रोजेक्ट्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और गुणवत्ता के लिए विख्यात है।

आरबीआई के रियायती स्वैप से रुपया बेअसर, अरबों डॉलर भंडार में, बाजार में नहीं

2013 के विपरीत इस बार डॉलर बाजार में जारी नहीं हुए, मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप योजनाओं के तहत भारत में अरबों डॉलर का प्रवाह हुआ है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इसका रुपये की विनिमय दर पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि 21 अगस्त तक आए कुल 72.85 अरब डॉलर से अधिक की यह विदेशी मुद्रा सीधे केंद्रीय बैंक के भंडार में जमा हो गई है, बजाय इसके कि यह हाजिर बाजार में रुपये को मजबूती देती। यह स्थिति 2013 की समान योजना से बिल्कुल विपरीत है, जब रुपये में महत्वपूर्ण मजबूती देखी गई थी। आरबीआई ने 8 जून को रियायती स्वैप योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देना था। इस योजना के तहत, बैंक विदेशी मुद्रा अनिवासी-बैंक (एफसीएनआर-बी) जमाओं के माध्यम से जुटाए गए डॉलर को रिजर्व बैंक के पास जमा कर रुपये प्राप्त करते हैं। इससे बैंकिंग व्यवस्था में रुपये की नकदी तो बढ़ी है, लेकिन विदेशी मुद्रा सीधे आरबीआई की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में जुड़ गई है। परिणामस्वरूप, रुपये की विनिमय दर 8 जून को 95.71 प्रति डॉलर थी और 21 अगस्त को भी उसी स्तर पर बंद हुई, जो डॉलर की भारी आवक के बावजूद अपरिवर्तित रही। एक निजी बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि इस बार आने वाले डॉलर सिस्टम में जारी नहीं किए जा रहे हैं, जबकि 2013 में ऐसा हुआ था, जिससे रुपया 8.8 प्रतिशत मजबूत हुआ था। इस बार रुपया अभी भी वैश्विक संकेतों के अनुरूप चल रहा है, क्योंकि डॉलर बाजार में नहीं आ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त तक कुल 72.85 अरब डॉलर का प्रवाह हुआ है, जिसमें एफसीएनआर-बी जमाओं का हिस्सा 65.40 अरब डॉलर है, जबकि ऑफशोर फॉरेन करेंसी बॉन्ड से 4.86 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी से 2.59 अरब डॉलर आए हैं।

क ऑफ बड़ौदा के एक अे धिकारी ने कहा कि बाजार में विदेशी मुद्रा तभी आ सकती है, जब रिजर्व बैंक हाजिर बाजार में हस्तक्षेप कर डॉलर जारी करे या अपनी फॉरवर्ड पोजीशन घटाए। ऐसा न होने के कारण, बाजार पूर्ववत व्यवहार कर रहा है और वैश्विक कारकों के मुताबिक मुद्रा बाजार को प्रभावित कर रहा है।

वोडाफोन आइडिया को एसबीआई से मिली हरी झंडी, प्रवर्तक देंगे गारंटी

पूंजीगत व्यय के लिए एसबीआई के ऋण को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को अपने पूंजीगत व्यय के लिए धन जुटाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने हिस्से के ऋण को मंजूरी दे दी है, जो पहले प्रवर्तकों की गारंटी न होने के कारण अटकी हुई थी। सूत्रों के अनुसार कंपनी के प्रवर्तकों, मुख्य रूप से आदित्य बिड़ला समूह, ने गारंटी प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे पहले पैदा हुआ गतिरोध समाप्त हो गया। हालांकि, एसबीआई ने एक शर्त रखी है कि वह अपनी ऋण राशि तब तक जारी नहीं करेगा जब तक वोडाफोन आइडिया निजी क्षेत्र के बैंकों से शेष आवश्यक ऋण सुरक्षित नहीं कर लेता। एक वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि यह गारंटी प्रवर्तक कंपनियों द्वारा दी जाएगी, न कि समूह की बड़ी सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गारंटी एसबीआई के ऋण के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान करेगी।

वोडाफोन आइडिया ने चार साल बाद, यदि स्थिति अनुकूल रहती है, तो गारंटी वापस लेने का अनुरोध किया था, जिस पर एसबीआई ने सहमति जताई है। वर्तमान में कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और आदित्य बिड़ला समूह शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, लेकिन वह एक सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत है। इस मामले पर एसबीआई, वोडाफोन आइडिया और आदित्य बिड़ला समूह से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

क्रिकेट के बहाने सत्ता, सुरक्षा और कूटनीति का अंदरूनी सच

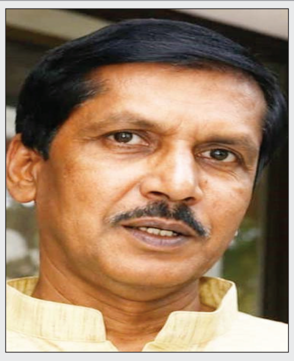

कुमार कृष्णन

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

क्रिकेट को भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में अक्सर केवल खेल के रूप में देखा जाता है। लेकिन दोनों देशों के इतिहास में क्रिकेट कई बार कूटनीति का माध्यम भी बना है और कई बार सुरक्षा तथा राजनीति की जटिलताओं का आईना भी। वर्ष 2004 का भारत का पाकिस्तान दौरा इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान गई थी। इसे 'मैत्री दौरा' कहा गया और उस समय दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें चल रही थीं। हालांकि मैदान पर दिखाई देने वाले खेल के पीछे सुरक्षा, खुफिया जानकारी और राजनीतिक निर्णयों की एक जटिल कहानी थी।

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

वर्ष 2004 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक प्रसंग विशेष रूप से ध्यान खींचता है। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ कराची में एक टेस्ट मैच आयोजित करना चाहते थे। लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने कराची और पेशावर को टेस्ट मैच के लिए उपयुक्त नहीं माना था। आजाद उस समय भारतीय टीम की सुरक्षा से जुड़े दल में थे। सुरक्षा आकलन के बाद कराची और पेशावर में टेस्ट मैच नहीं कराने की सलाह दी गई थी। मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर को टेस्ट मैचों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना गया।

इसी बीच आजाद को तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का फोन आया। आडवाणी ने उनसे पूछा कि क्या कराची में टेस्ट मैच कराने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। आजाद ने सुरक्षा संबंधी कारणों की जानकारी दी। इसके बाद उनसे कहा गया कि वे इस मामले को खुफिया ब्यूरो के निदेशक के सामने उठाएं। आडवाणी स्वयं भी इस संबंध में खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात करने वाले थे।

आजाद के अनुसार, उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि यह आग्रह सीधे उपप्रधानमंत्री तक कैसे पहुंचा। बाद में उन्हें विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान संबंधी जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी अरुण सिंह से पता चला कि यह स्वयं राष्ट्रपति मुशर्रफ का अनुरोध था। लेकिन अंततः सुरक्षा सलाह को प्राथमिकता दी गई और सुरक्षा दल द्वारा सुझाए गए कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया।

यह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन दिखाई देता है। एक ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी और दूसरी ओर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का पेशेवर आकलन। राजनीतिक नेतृत्व के सामने विकल्प था कि वह कूटनीतिक अवसर को प्राथमिकता दे या सुरक्षा संबंधी सलाह को। अंततः सुरक्षा आकलन को स्वीकार करना यह बताता है कि संवेदनशील मामलों में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर सुरक्षा तंत्र के बीच संवाद तो जरूरी है, लेकिन निर्णय लेते समय सुरक्षा संबंधी तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

2004 का पाकिस्तान दौरा सामान्य क्रिकेट दौरा भी नहीं था। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय से राजनीतिक तनाव की छाया में रहे थे। ऐसे समय में भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की बड़ी कोशिश के रूप में देखा गया। मैदान पर खिलाड़ी थे, दर्शकों में उत्साह था और राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह संबंध सुधारने का अवसर था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के लिए वही दौरा अत्यंत संवेदनशील अभियान था।

आजाद ने कराची में होने वाले एकदिवसीय मैच से पहले पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली थी। इसी दौरान 11 मार्च 2004 को स्पेन के मैड्रिड में रेलगाड़ियों में बम विस्फोट हुए, जिनमें 193 लोगों की मौत हुई और करीब दो हजार लोग घायल हुए। उस समय पाकिस्तान के कबायली और शहरी क्षेत्रों में अल-कायदा के शीर्ष कार्यकताओं की मौजूदगी के बारे में भी खुफिया जानकारी थी।

भारतीय टीम की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे आजाद के सामने चुनौती केवल खतरे को पहचानने की नहीं थी, बल्कि यह तय करने की भी थी कि खिलाड़ियों को कितनी जानकारी दी जाए। उन्होंने टीम के प्रबंधक आर. एस. शेट्टी और प्रशिक्षक जॉन राइट के साथ इस सूचना को साझा किया और तत्काल इसे सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय लिया। अगले दिन भारतीय टीम को कराची में एकदिवसीय मैच खेलना था।

इसके बाद इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली। यह सूचना खुफिया स्रोत से प्राप्त हुई थी और उसमें विशेष रूप से कराची तथा भारतीय टीम का उल्लेख था। हालांकि खतरे का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं था, फिर भी इसे गंभीरता से लिया गया। टीम का सामान पहले ही तैयार करवा दिया गया, ताकि मैच समाप्त होते ही भारतीय टीम सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो सके।

यह प्रसंग बताता है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का नाम नहीं है। इसमें यात्रा की समय-सारणी, खिलाड़ियों की गतिविधियां, सामान की आवाजाही, आने-जाने के रास्ते, संभावित खतरे और आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तक शामिल होती है। किसी संवेदनशील देश में राष्ट्रीय टीम का दौरा अपने आप में एक जटिल सुरक्षा अभियान बन जाता है।

इस गंभीर वातावरण के बीच आजाद की पुस्तक में सचिन तेंदुलकर से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग भी है। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर तेंदुलकर ने काले सूट और काले ब्रीफकेस लिए खड़े सुरक्षाकर्मियों की ओर संकेत करते हुए मासूमियत से पूछा कि क्या वे ह्यपरमाणु बटनह्व लेकर खड़े हैं। जब आजाद ने उन्हें जैमर के बारे में बताया तो तेंदुलकर ने उससे जुड़े कई सवाल किए। यह प्रसंग सुरक्षा के गंभीर संसार के बीच एक मानवीय और हल्का क्षण सामने लाता है। लेकिन 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' की महत्ता केवल ऐसे रोचक प्रसंगों में नहीं है। पुस्तक की वास्तविक उपयोगिता इस बात में है कि लेखक ने सत्ता, पुलिस और सुरक्षा तंत्र को भीतर से देखा है। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर यह समझाने का प्रयास किया है कि अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप से निपटने वाली संस्थाओं के सामने किस तरह की चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आज पहले से अधिक जटिल हो गया है। आतंकवाद के साथ-साथ साइबर अपराध, संगठित अपराध, सीमा पार से आने वाले खतरे और सूचना के दुरुपयोग जैसी नई चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे समय में सुरक्षा संस्थाओं की पेशेवर क्षमता के साथ उनकी जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

2004 का कराची टेस्ट प्रसंग इसी संस्थागत विवेक का उदाहरण है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी, भारत के राजनीतिक नेतृत्व के सामने कूटनीतिक अवसर था, लेकिन सुरक्षा आकलन ने जोखिम की ओर संकेत किया। अंततः टेस्ट मैच के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया। उस समय यह निर्णय शायद केवल क्रिकेट कार्यक्रम से जुड़ा मामला लगा हो, लेकिन वर्षों बाद सामने आए विवरण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण उदाहरण बना देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका हमेशा दोहरी रही है। यह कभी जनता को जोड़ने का माध्यम बना, तो कभी दोनों देशों के तनाव का प्रतीक। 2004 का दौरा उस दौर की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता था जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश हो रही थी। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-2 से और टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती। लेकिन स्कोरबोर्ड से परे इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सुरक्षा और कूटनीति की थी।

आजाद की पुस्तक का व्यापक संदेश भी यही है कि गणतंत्र की सुरक्षा केवल पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, पेशेवर निर्णय, राजनीतिक संयम, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए उसकी लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।

इस दृष्टि से 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' केवल एक पूर्व अधिकारी का संस्मरण नहीं है। यह उस व्यवस्था के भीतर झांकने का अवसर देती है, जहां सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले निर्णयों के पीछे अनेक स्तरों पर विचार और जोखिम का आकलन चलता है। कराची का वह टेस्ट मैच अंततः नहीं हुआ, लेकिन उसके पीछे की कहानी अब सामने आई है।

क्रिकेट के मैदान पर मैच होते हैं, श्रृंखलाएं जीती और हारी जाती हैं और रिकॉर्ड बनते हैं। लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरे की सफलता केवल खेल परिणामों से तय नहीं होती। उसके पीछे कूटनीति, खुफिया जानकारी, सुरक्षा आकलन और राजनीतिक निर्णय भी काम करते हैं।

2004 का पाकिस्तान दौरा इस बात का प्रमाण है कि कभी-कभी कोई मैच इसलिए भी इतिहास का हिस्सा बन जाता है क्योंकि वह खेला नहीं गया। कराची में टेस्ट मैच न कराने का फैसला उस समय शायद एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन आज वह भारत-पाकिस्तान संबंधों, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया के बीच जटिल संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।

यशोवर्धन आजाद की 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' ऐसे ही पर्दे के पीछे के संसार को सामने लाती है। इसका महत्व क्रिकेट से आगे जाकर उस प्रश्न में है कि लोकतांत्रिक गणराज्य अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है और संकट के समय राजनीतिक नेतृत्व तथा सुरक्षा संस्थाएं किस तरह निर्णय लेती हैं। यही इस पुस्तक को समकालीन भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण संस्मरणात्मक दस्तावेज बनाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगीड्ड.! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये ह्यकालाबाजारीह्व बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खडगे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे। बहरहाल विशेषज्ञों का मानना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात में गन्ने की फसल, बीते साल सितंबर-अक्तूबर में, अधिक बारिश से प्रभावित हुई थी। नतीजतन उत्पादन कम हुआ और भंडारण 9 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस साल भी जून में बहुत कम बारिश हुई। खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में। मॉनसून भी असंतुलित रहा।

वन्देमातरम् विवाद- राष्ट्रगान पर राजनीतिः विभाजन के प्रयास.....?

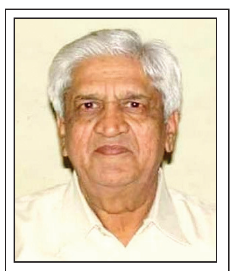

ओमप्रकाश मेहता

आज यदि सबसे अधिक दुःखी आत्मा होगी तो वह राष्ट्रभक्त बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय की होगी, जिनकी अनुपम कृति ह्यवन्दे मातरम्ह्व पर राजनीति हावी हो गई है। खासकर इस राष्ट्रीय गीत के छंदों को लेकर जंग छिड़ी है, पिछले नौ दशक से इसके दो ही छंद गाए जाते रहे है, जबकि इसके कुल मिलाकर आठ छंद है, अब देश के गृहमंत्री ने इसी को राजनीतिक विवाद की मुख्य बना दिया है तथा इसी आधार पर प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। गृहमंत्री का कहना है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण फिर पुरानी गलती को दोहरा रही है।

वास्तव में इस विवाद की शुरूआत स्वतंत्रता दिवस के दिन उस समय हुई जब दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ध्वज वंदन के समय सोनिया गांधी एक कार्यकर्ता को कोई निर्देश दे रही थी, आरोप है कि सोनिया ने राष्ट्रगान का अपमान किया और वे राष्ट्रभक्ति पसंद नही करती। यद्यपि आज तक प्रमुख सत्ताधारी दल भाजपा के भी किसी ध्वज वंदन कार्यक्रम में 'वन्दे मातरम्' का पूरा गान गाते नही देखा गया, पिछले नो दशकों से इसके प्रारंभिक दो छंद ही गाते देखा गया है, किंतु यह राजनीति की बलिहारी है, जिसने इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना दिया और अब इस मुद्दें पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गए है। सत्तारूढ़ दल, कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती बता रहे है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस गान को 1937 में 'राष्ट्रीय गान' का दर्जा दिया गया था। इसीलिए इसे आजादी के पहले की धरोहर मानकर पूरा राष्ट्र इसका सम्मान करता है और बड़े गर्व के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों में झण्ड़ा वंदन की सलामी के समय इसे गाया जाता रहा है, किंतु अब जक इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है तो इस गान के भविष्य को लेकर पूरा देश चिंतित है।

अब इस विवादित राजनीति का असर कहां-कहां तक होता है, यह फिलहाल कल्पना से परे है, क्योंकि पूरे देश की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में इसका पूरे सम्मान के साथ गान किया जाता है। अब फिलहाल यह भी मानना मुश्किल है कि इस विवाद के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति छुपी है, क्योंकि देश के दो विशेष वर्ग मुस्लिम और ईसाई आरोपित है कि इस गान का सम्मान नही करते?

अब जो भी हो किंतु सबसे अहम् बिन्दू यही है कि इस अहम्‌ राष्ट्र भक्ति से जुड़े बिन्दू को राजनीति का अंग बनाना किसी भी स्थिति में ठीक नही कहा जा सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रूझान

मनोज कुमार अग्रवाल

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था. कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी. इसी तरह अप्रैल में नागपुर में पुलिस ने 13 नाबालिगों को पकड़ा था. इन सभी ने मिलकर एक 22 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी. हत्या 100 रुपये के विवाद को लेकर हुई थी. आए दिन गंभीर अपराधों में नाबालिक अपचारियो की बढ़ती भागीदारी समाजशास्त्र और बाल मनोविज्ञान के अध्येताओं के लिए चुनौती बन रही है। ये घटनाएं इतना बताने के लिए काफी हैं कि हमारे देश में अब नाबालिग तेजी से अपराध की ओर बढ़ रहे हैं. हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट आई है. इसमें सामने आया है कि दो साल में नाबालिगों के खिलाफ अपराध के मामलों में 14% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है.एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में नाबालिगों के खिलाफ 30,555 मामले दर्ज किए गए थे. 2024 में यह बढ़कर 34,878 हो गए। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में दर्ज मामलों 58.9 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 2023 की तुलना में यह 6 फीसदी की गिरावट थी. लेकिन इसके उलट, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई है. चिंता वाली बात यह है कि नाबालिग रेप, मर्डर, लूटपाट और किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराधों भी शामिल हो रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध के 2,557 मामलों में नाबालिगों को आरोपी बनाया गया था. इसके अलावा मर्डर और किडनैपिंग जैसे 8,943 मामलों में आरोपी नाबालिग थे. 2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे. अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे. 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी. जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था.इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे. जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे. इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे.

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है. अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है. इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है.इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

जापान में भूकंप से कांपी धरती, 20 लोगों के घायल होने की खबर, रिक्टर स्केल पर झटके कितने तेज

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्वी हिस्से और राजधानी टोक्यो के आसपास रविवार तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप ने लोगों को दहला दिया। प्रारंभिक तौर पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे 5.8 दर्ज किया। भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए, हालांकि अधिकांश को मामूली चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि सुनामी का कोई खतरा नहीं था। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में जमीन से करीब 70 किलोमीटर की गहराई में था। यह इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। चार प्रांतों में कुल 23 लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इनमें साइतामा और कानागावा में नौ-नौ, चिबा में चार और इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ। अधिकांश लोग उस समय सो रहे थे और अचानक आए तेज झटकों से घबराकर बिस्तर से उठे। इस दौरान कई लोग गिर पड़े या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। कानागावा के योकोहामा में 80 वर्ष से अधिक उम्र की एक महिला बिस्तर से गिर गईं, जिससे उसके कूल्हे में गंभीर चोट आई। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाईअड्डे को जोड़ने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों समेत कुछ स्थानीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और देरी से चलीं। हालांकि शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाएं सामान्य रहीं। टोक्यो के कोटो वार्ड में भूमिगत पानी की पाइप फटने से सड़क पर पानी भर गया, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। भूकंप के बाद करीब 460 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई, लेकिन रविवार सुबह तक बिजली बहाल कर दी गई।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश है। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है।

मेरिका पर कनाडा का पलटवार: 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई। कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहा प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बात कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

पेंटागन में पावर गेम: हेगसेथ से तनाव के बाद शीर्ष अफसर दे सकते हैं इस्तीफा, रक्षा मंत्री की पत्नी पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ तनाव के बीच अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल के साल के अंत तक पद छोड़ने की चर्चा है। उनके जाने से पहले से नेतृत्व संकट से जूझ रही अमेरिकी सेना पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, हेगसेथ की पत्नी जेनिफर की पेंटागन में बढ़ती भूमिका भी विवाद का विषय बनी हुई है। वह स्टाफ चयन, रणनीति, मीडिया प्रशिक्षण और सैन्य संचार से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रही हैं तथा संवेदनशील बैठकों में उनकी मौजूदगी पर सैन्य अधिकारियों और सांसदों ने सवाल उठाए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन के रक्षा प्रतिष्ठान में नेतृत्व, निर्णय लेने की प्रक्रिया और प्रभाव के इस्तेमाल को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

ड्रिस्कॉल के जाने से सेना के शीर्ष नेतृत्व पर असर : ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने की स्थिति में अमेरिकी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का संकट और गहरा सकता है। सेना प्रमुख का पद पहले से खाली है और इसके लिए सीनेट से मंजूर स्थायी चीफ के बिना काम कर रहे हैं। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अप्रैल में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने जॉर्ज को हटाने का कोई सार्वजनिक कारण नहीं बताया था और अब तक उनकी जगह किसी स्थायी अधिकारी को नामित भी नहीं किया गया है।

लानेव संभाल रहे हैं सेना प्रमुख की जिम्मेदारी : जनरल क्रिस्टोफर लानेव, जो सेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं और पहले हेगसेथ के वरिष्ठ सैन्य

सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं, फिलहाल कार्यवाहक सेना प्रमुख यानी एक्टिंग आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में अगर ड्रिस्कॉल भी पद छोड़ते हैं, तो सेना के शीर्ष नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण पद पर बदलाव होगा।

परिवार के साथ रहने की जगह भी बदली : रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल और उनका परिवार इस गर्मी में जॉइंट बेस मायर-हेंडरसन हॉल स्थित आधिकारिक पारिवारिक आवास से बाहर चले गए थे। उनका परिवार नॉर्थ कैरोलिना चला गया, जबकि ड्रिस्कॉल खुद सैन्य अड्डे के भीतर एक छोटे अपार्टमेंट में रहने लगे। यह घटनाक्रम हेगसेथ के साथ उनके बिगड़ते रिश्तों के बीच सामने आया है।

हेगसेथ से कब शुरू हुई अनबन : पूर्व आर्मी रेंजर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पुराने दोस्त ड्रिस्कॉल ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में ही हेगसेथ की नाराजगी का शिकार हो गए थे। तनाव उस समय बढ़ा, जब ड्रिस्कॉल ने वेंस और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सैनिकों से मुलाकात और सेना में सुधार की योजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक दौरे का आयोजन करने की कोशिश की। हालांकि दोनों के बीच अनबन बनी रही, लेकिन आर्मी सेक्रेटरी के तौर पर अपने करीब 18 महीने के कार्यकाल में ड्रिस्कॉल ने जनरल रैंडी जॉर्ज के साथ मजबूत कामकाजी रिश्ता कायम किया।

नई तकनीक और भविष्य की जंग पर था जोर : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज ने अमेरिकी सेना को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों का मानना था कि भविष्य के युद्धों में वाणिज्यिक क्षेत्र से आने वाले नवाचार और तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज और जनरल क्रिस डोनाह्यू के साथ यूक्रेन का दौरा भी किया था। उस समय डोनाह्यू यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष जनरल थे। इस यात्रा के दौरान ड्रिस्कॉल ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से शांति वार्ता को लेकर भी बातचीत की थी। ड्रिस्कॉल ने अमेरिकी सेना से यूक्रेन के युद्ध से सबक लेने का आग्रह किया। खासतौर पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेनी सेना युद्ध के मैदान में बाजार में आसानी से उपलब्ध वाणिज्यिक तकनीक का किस तरह इस्तेमाल कर रही है। उनके कार्यकाल के दौरान निजी कंपनियों ने कई परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया। इन परियोजनाओं में डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनरी और पूरे अमेरिका में सेना के ठिकानों पर डाइनिंग सुविधाओं का विकास शामिल था।

जॉर्ज की बर्खास्तगी से साझेदारी को लगा झटका : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज की यह साझेदारी उस समय प्रभावित हुई, जब हेगसेथ ने अप्रैल में अचानक सेना प्रमुख को उनके पद से हटा दिया। हेगसेथ के इस फैसले की कांग्रेस में रिपब्लिकन नेताओं ने भी आलोचना की और कई नेताओं ने जॉर्ज के प्रति समर्थन जताया।

कांग्रेस में ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज की तारीफ की : कांग्रेस की सुनवाई के दौरान जब ड्रिस्कॉल से जॉर्ज को हटाए जाने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर हेगसेथ की आलोचना करने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने जॉर्ज के बारे में अपनी राय स्पष्ट कर दी। ड्रिस्कॉल ने सांसदों से कहा,मैं भी जनरल जॉर्ज को बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने जॉर्ज को एक शानदार और बदलाव लाने वाले लीडर बताया। अपने पद को लेकर अनिश्चितता के बावजूद, पिछले महीने पेंसिल्वेनिया में आयोजित एक डिफेंस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रिस्कॉल की सार्वजनिक रूप से तारीफ की। ट्रंप ने ड्रिस्कॉल के व्यक्तित्व और उनके लुक का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिखने में जितने सीधे-सादे लगते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा सख्त हैं। ट्रंप ने कहा,उनकी मुस्कान कितनी प्यारी है, लेकिन असल में वह एक किलर हैं।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और च की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए : ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज़ : गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक

अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा,100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है।

गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं।

जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया। सरकारी हलकों में उसे इमरान खान की पार्टी पीटीआई से जोने की कोशिशें हुईं, जिसे पार्टी ने सिरे से खारिज किया।

मरीज खुद बने शोधकर्ता: वर्षों तक बीमारी व दर्द से जूझते रहे, अब उसी बीमारी का खोज रहे इलाज वैज्ञानिक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बीमारी का सामना करने वाले ज्यादातर लोग इलाज की तलाश में डॉक्टरों के पास जाते हैं, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों ने अपनी बीमारी को ही शोध का विषय बना लिया। वर्षों तक असहनीय दर्द, गलत निदान और बीमारी के डर से जूझने के बाद इन मरीज-शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला का रास्ता चुना। मकसद सिर्फ खुद के लिए इलाज तलाशना नहीं, बल्कि उन मरीजों के लिए बेहतर उपचार खोजना है जिनकी बीमारियां दुर्लभ या अब तक लाइलाज हैं।

नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक इटली की आणविक जीवविज्ञानी फ्रांसेस्का ग्रानाटा इसका उदाहरण हैं। बचपन से ही उन्हें त्वचा में इतना तेज दर्द होता था कि मां का गले लगाना भी असहनीय लगता था। 2008 में जांच के बाद पता चला कि उन्हें एरिथ्रोपोएटिक

प्रोटोपोरफीरिया है। यह आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटोपोरफीरिन जमा होने से रोशनी के संपर्क में त्वचा में तेज जलन और दर्द होता है। गंभीर मामलों में यकृत भी प्रभावित हो सकता है।

मां की मौत ने शोध पर किया मजबूर : अमेरिकी वैज्ञानिक सोनिया वल्लभ की कहानी भी ऐसी ही है। 2010 में उनकी 52 वर्षीय मां की तेजी से बढ़ती स्मृतिभ्रंश की बीमारी से मौत हुई। जांच में पता चला कि वह आनुवंशिक प्रायन बीमारी से पीड़ित थीं। बाद में वल्लभ ने भी जांच कराई और पाया कि उनमें भी इस बीमारी से जुड़ा जीन परिवर्तन मौजूद है। वल्लभ उस समय कानून के क्षेत्र में काम कर रही थीं। मां की मौत और खुद में बीमारी का खतरा सामने आने के बाद उन्होंने करियर बदलकर विज्ञान की पढ़ाई शुरू कर दी। अब वह अपने पति और संगणकीय जीवविज्ञानी एरिक मिनिकल के साथ प्रायन बीमारी के इलाज पर शोध कर रही हैं।

बीमारी से मिला इलाज का रास्ता : कैसलमैन बीमारी से पीड़ित चिकित्सक-शोधकर्ता डेविड फाजेनबॉम ने अपनी बीमारी के इलाज में पहले से मौजूद दवा के नए इस्तेमाल का रास्ता खोजा। बीमारी के कारण वह कई बार गंभीर स्थिति में पहुंचे। अपने रक्त परीक्षण और वैज्ञानिक शोधों के अध्ययन से उन्होंने पाया कि प्रतिरक्षा तंत्र की सक्रियता रोकने वाली एक दवा उनकी बीमारी में मदद कर सकती है। इसके इस्तेमाल से वह एक दशक से ज्यादा समय से बीमारी के दोबारा उभरने से बचे हैं।अब उनका संगठन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से मौजूदा दवाओं में ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिन्हें दुर्लभ बीमारियों के इलाज में दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिका की स्टेम-सेल वैज्ञानिक वैलेंटिना फोसाती को 30 वर्ष की उम्र में मल्टीपल स्क्लेरोसिस यानी एमएस का पता चला। उन्होंने इसी बीमारी पर शोध शुरू कर दिया। अब वह स्टेम कोशिकाओं से मस्तिष्क की विभिन्न कोशिकाएं विकसित करने की तकनीकों पर काम कर रही हैं।

अमेरिका में गुजराती स्टोर मालिक की गोली मारकर हत्या, बेटी बाल-बाल बची; हमलावर फरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी में एक गुजराती मूल के कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई, जब जैक्सन शहर की एक शराब की दुकान में हथियारबंद बदमाश लूट के इरादे से पहुंचा था। घटना के दौरान कारोबारी की 19 वर्षीय बेटी भी उनके पास मौजूद थी, लेकिन वह गोली लगने से बच गई। पुलिस ने मृतक की पहचान 56 वर्षीय सुरेश पटेल के तौर पर की है। वह रिजक्रेस्ट रोड स्थित रिजक्रेस्ट सेलर्स में काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त की रात करीब नौ बजे एक हथियारबंद व्यक्ति दुकान में दाखिल हुआ और कर्मचारियों से नकदी मांगी।

बदमाश को पैसे देने के बाद भी गोलीबारी : पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हथियार दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों से पैसे लिए। इसके बाद उसने कई राउंड फायरिंग की। एक

गोली सुरेश पटेल को लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी नकदी लेकर सफेद रंग की सेडान कार से फरार हुआ। घटना के समय पटेल की बेटी भी उनके पास खड़ी थी। गोलीबारी के बावजूद वह सुरक्षित रही। दुकान में मौजूद एक 70 वर्षीय कर्मचारी भी घायल हुआ। बताया गया है कि गोली चलने के दौरान गिरने से उसकी कलाई में फ्रैक्चर हो गया।

पेंटबॉल मास्क से ढका था चेहरा : जांच में सामने आया है कि आरोपी अश्वेत पुरुष था। उसने ग्रे हुडी, जींस और काले रंग के कामकाजी जूते पहन रखे थे। उसकी पहचान छिपाने के लिए चेहरा पेंटबॉल खेलने के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले मास्क से ढका हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां इलाके के सीसीटीवी फुटेज और अन्य संभावित सुरागों की मदद से हमलावर तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी ऐसी कोई जानकारी साझा करने की अपील की है, जिससे आरोपी की पहचान या उसकी सफेद सेडान कार का पता लगाने में मदद मिल सके। जानकारी के मुताबिक, सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील के अखज गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि उनके परिवार ने हाल ही में रिजक्रेस्ट सेलर्स का कारोबार संभाला था और पटेल ने कुछ दिन पहले ही स्टोर का कामकाज अपने हाथ में लिया था। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को लूट और हिंसा का सामना करने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ताजा घटना के बाद अमेरिका में सुविधा स्टोर और अन्य छोटे कारोबार चलाने वाले भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। ऐसे स्टोर अक्सर लंबे समय तक खुले रहते हैं।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या, भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है।

लीक ऑडियो क्लिप में क्या बोला गोल्डी बराड़ : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

निज्जर हत्याकांड से कैसे बिगड़े भारत-कनाडा संबंध : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके कुछ सप्ताह बाद कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ हो सकता है। नई दिल्ली ने इस आरोपों को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने कनाडा पर अपनी धरती से खालिस्तान समर्थक तत्वों को गतिविधियां चलाने की अनुमति देने का भी आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद भारत और कनाडा के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे।

कनाडा को नहीं मिला निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने का सबूत : कनाडा द्वारा भारतीय राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से जोड़ने की कोशिश के बाद नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और कई अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी के संसदीय चुनाव जीतने और ट्रूडो के सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे सामान्य होने लगे। पिछले महीने कनाडा के जांचकर्ताओं ने कहा था कि उन्हें निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं मिला। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पिछले महीने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। एफबीआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, एफबीआई सतिंदरजीत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50 हजार डॉलर तक का इनाम दे रही है। वह लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है।

यूएस ने शुरू किया व्यापार युद्ध: पीएम कार्नी का दावा, क्या ट्रेड डील के सहारे कनाडा के पर कतरना चाहते हैं ट्रंप

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता टूटने के बाद कहा कि उन्होंने खराब व्यापार समझौते के कारण बातचीत से पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने अमेरिका के शुल्क का जवाब देने के लिए समान दर से जवाबी शुल्क लगाने की बात कही। कार्नी ने दावा किया कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान ऐसी नई शर्तें रखीं, जो आर्थिक रूप से नुकसानदेह और अनुचित थीं। उन्होंने कहा कि इन शर्तों से कनाडा को मिलने वाला कुल मुनाफा कम हो जाता। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर व्यापार युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। कार्नी ने कहा, जब आप पर हमला होता है तो आप युद्ध में होते हैं। हम पर हमला हुआ।

व्यापार समझौते से कनाडा पर कैसे शिकंजा कसता अमेरिका : कनाडाई पीएम ने कहा, हम उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं कर सकते और उन्होंने जो मांगा है, वह हम नहीं देंगे। कार्नी ने कहा, अमेरिका ने आखिरी घंटों में दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते करने की हमारी क्षमता को सीमित करने की कोशिश की। आपने मुझे कुछ देर पहले यह कहते हुए सुना कि हमने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है- 20 नए समझौते, आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी और अपने बाजार तक पहुंच दोगुनी करने की संभावना। हम मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के कई देशों के लिए हम पसंदीदा साझेदार हैं और अमेरिका इसे सीमित करना चाहता था। उसने ऐसी भाषा का प्रस्ताव दिया, जिसके तहत इसे सीमित किया जाना था। यह स्वीकार्य नहीं था।

क्यों टूटा व्यापार समझौता : कार्नी ने कहा, इन शर्तों ने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। संक्षेप में कहें तो उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बहुत कम पेश किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है

कि अमेरिकी मांगों के कुल प्रभाव ने सच्ची आर्थिक साझेदारी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सीमा को दिखा दिया। कार्नी ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने शुक्रवार शाम अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता स्थगित कर दी और कनाडा के वार्ताकारों को ओटावा लौटने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में दोनों पड़ोसी देशों के बीच बातचीत टूट गई। इसके बाद अमेरिका के 50 प्रतिशत नए शुल्क लागू होने का रास्ता साफ हो गया। ये शुल्क करीब 20 अरब डॉलर के सामान को प्रभावित करेंगे, जो अमेरिका को कनाडा के कुल निर्यात का करीब 5.5 प्रतिशत है।

ट्रंप ने कही थी क्या बात : ट्रंप ने कहा था कि कार्नी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और इसी वजह से अमेरिका को कनाडा के साथ व्यापार समझौता करने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन की शर्तें आखिरकार स्वीकार करने योग्य नहीं थीं। कार्नी ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से शुल्क लगाने का वादा किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा अमेरिकी नए शुल्क का जवाब डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से देगा, ताकि कनाडाई श्रमिकों, किसानों, परिवारों और कारोबारों की रक्षा की जा सके। हम यह कदम इस विश्वास के साथ उठा रहे हैं कि यह कनाडा के हित में है।

8 सितंबर से लागू होंगे शुल्क : कनाडा के नए शुल्क खास तौर पर अमेरिकी स्टील और डेयरी उद्योगों को प्रभावित करेंगे। ये शुल्क 8 सितंबर से लागू होंगे। कार्नी ने कहा कि इसके बारे में विस्तृत जानकारी अगले सप्ताह दी जाएगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को कहा था कि वॉशिंगटन ने कनाडा से कुछ रियायतों के बदले स्टील, एल्युमीनियम, ऑटोमोबाइल और लकड़ी पर शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती की पेशकश की थी।

कनाडा लंबे समय से ट्रंप के ऑटोमोबाइल, स्टील और एल्युमिनियम पर लगाए गए शुल्क से राहत की मांग कर रहा है। इन शुल्कों से कनाडा की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, नौकरियों का नुकसान हुआ है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत व्यापारिक संबंधों पर दबाव पड़ा है। व्हाइट हाउस ने कनाडा द्वारा शुल्क लगाने के फैसले को अमेरिकी शराब, ऑटोमोबाइल और डेयरी उत्पादों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार बताया था।

साड़ी

बदलते फैशन के साथ साड़ी भी कई रूपों और अवतारों में आज प्रचलन में हैं। भारत के तो अलग-अलग हिस्सों में अलग प्रकार की साड़ियां और उन्हें पहनने के अलग ढंग देखने को मिलते हैं। चाहे कोई महिला किसी भी क्षेत्र से संबंध रखती हो, हर महिला का साड़ी पहनने का एक खास ढंग होता है।

विश्व में भारतीय महिलाओं को एक अलग पहचान दिलाने में साड़ी भी शामिल है। बदलते फैशन के साथ भी कई रूपों और अवतारों में आज प्रचलन में हैं। भारत के तो अलग-अलग हिस्सों में अलग प्रकार की साड़ियां और उन्हे पहनने के अलग ढंग देखने को मिलते हैं। इसके अलावा भी चाहे कोई महिला किसी भी क्षेत्र से संबंध रखती हो, हर महिला का साड़ी पहनने का अपना एक खास ढंग होता है।

छः गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवस की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध है।

पारम्परिक परिधान साड़ी का अंदाज इन दिनों बड़ी तेजी से बदल रहा है। डिजाइनर पारम्परिक साड़ियों के साथ नए-नए प्रयोग करने में लगे हैं। आज साड़ी हॉट, सैक्सी और ग्लैमरस लुक दे रही है जिसमें नारी की खूबसूरती ज्यादा निखर कर सामने आती है। डिजाइन साड़ी पर हाथ की पेंटिंग, ब्लॉक प्रिंट या सीक्विंस स्वारोस्की, क्रिस्टल और धागे का काम कर रहे हैं। वे एब्स्ट्रैक्ट डिजाइनों पर जोर दे रहे हैं। भारी सिल्क, ऑरगेंजा, ब्रोकेड आदि की जगह जार्जेट और शिफॉन ने ले ली है। इन दिनों बहुत-सी आधुनिक और पारम्परिक साड़ियां डिजाइन में हैं जैसे बनारसी, कांजीवरम, पटोला, तनछुई, बालूचरी, जामदानी, टसर, बांधनी, कांथा, चंदेरी कॉटन, पैठनी, कोटा, इक्कत और वेंकटागिरी आदि साड़ियों का प्रचलन भी काफी बढ़ गया है। महिलाएं साड़ी को खूबसूरत और ऐलिगेंट परिधान मान कर इससे अपनी शोभा को बढ़ा रही हैं।

चोली-दामन का साथ तो सदियों से रहा है लेकिन आधुनिकता की बयार में इनके संबंध में नई चुलबुलाहट नजर आने लगी है। साड़ी एकमात्र पहनावा है जिसके साथ अन्य परिधान अपनी पहचान मिटाए बिना पूरे शबाब के साथ रंगत बिखेर सकते हैं। साड़ी चाहे जैसी भी हो चोली का अपना अलग ही अंदाज होता है। वैसे तो बिंदास चोली किसी के दिल को बेकरार कर सकती है लेकिन लहराते पल्लू का साथ मिल जाए तो आपको शायर बनने में देर नहीं लगेगी। हॉल्टर्स, बस्टीयर्स या फिर अल्ट्रॉमॉडर्न बैकलेस, आपको सिर्फ इतना ध्यान देना होगा कि चोली का स्टाइल ऐसा हो कि जो आप पर फबे, न कि महफिल में आपको उपहास का पात्र बना दे।

जहां तक साड़ी के पल्लू की बात है तो वह साड़ी के पहनने के अंदाज पर निर्भर करता है। इन सबके मिले-जुले प्रभाव से साड़ी एक ट्रैंड बन गई है। फैशन डिजाइनर्स का भी यही मानना है कि साड़ी न सिर्फ सैक्स और सोफिस्टिकेटेड दिखती है बल्कि किसी भी उम्र की महिला पर खूब फबती है। स्वरोस्की, क्रिस्टल, बीड्स, कलर्ड-स्टोन्स लेस व सिल्वर या गोल्डन इम्ब्रायडरी ने तो साड़ी का काया कल्प ही कर दिया। जहां तक फैब्रिक का सवाल है प्लोविंग सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट व नैट के प्रयोग से साड़ी की विविधता में काफी फैलाव हुआ है और इसमें नयापन भी आया है।

साड़ी पहनने के लगभग सत्रह तरह के स्टाइल हैं। अवसर के अनुसार आप अलग-अलग ढंग से साड़ियों को बांध सकती हैं। ब्राइडल से लेकर आम गैस्ट तक के लिए साड़ियों को बांधने के लिए विभिन्न स्टाइल हैं। ब्राइडल साड़ी भारी होती है जिसके चलते उसे पारम्परिक लुक देते हुए आगे को पल्लू देकर बांधा जाता है जबकि मुमताज लुक अपनाने के लिए महिलाओं को कमर से नीचे दो टाइट-रैप देते हुए उसे नीचे से फिश कट की शेप दे दी जाती है।

यदि आपको किसी फंक्शन में जाना हो तो साड़ी के टिप को ही पिनअप करें व शेष को हाथों पर लहराने दें। यह न केवल आकर्षक ही लगता है बल्कि ग्रेसफुल लुक भी देता है। कॉटन, टिश्यू या स्टार्च साड़ी अच्छी तरह आयरन (प्रैस) की हुई होनी चाहिए।

बालों की देखभाल

बाल नि:संदेह रूप से सौंदर्य बढ़ाने में संजीवनी बूटी का कार्य करते हैं। बालों के बिना नारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कुछ स्त्रियों के बाल इतने खूबसूरत होते हैं कि हर स्टाइल, ईस्टर्न हो या वैस्टर्न, नूतन हो अथवा पुरातन, उन पर फबता है मगर बाल भी रख-रखाव व साज-संवार चाहते हैं।

थोड़ी-सी भी उपेक्षा से बाल सफेद होना, दोमुंहे होना आदि समस्याएं प्रारंभ हो जाती है। समय पर बालों की देखभाल और सुरक्षा के उपाय न केवल नारी के सौंदर्य को बढ़ाने में सहायक होते हैं बल्कि नारी की उम्र भी कई साल कम दिखाते हैं।

बालों की साफ-सफाई जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी होती है दिन में दो या तीन बार कंघी करना और तेल मालिश। समय-समय पर गर्म और ठंडे जल से सिर को रगड़ने से रोमछिद्र खुल जाने के कारण त्वचा में जमे विकारी तत्व शीघ्र बाहर आ जाते हैं। रक्त प्रवाह भी सामान्य हो जाता है जिससे बालों को पोषक तत्व और प्राण वायु ऑक्सीजन आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इससे बाल हृष्ट-पुष्ट एवं निरोग हो जाते हैं।

बाल बढ़ाने के लिए

- दही को तांबे के बर्तन में इतनी देर रगड़ें कि वह हरा हो जाए। इसे लगाने से बालों का झड़ना रूक जाता है और बाल तेजी से बढ़ते हैं।

- 100 ग्राम नीम के पत्तों को 1 लीटर पानी में उबालें। इससे बाल धोकर नीम का तेल लगाएं। बाल शीघ्रता से उगते और बढ़ते हैं।
- पत्तागोभी के रस की मालिश अगर एक माह तक की जाए तो बाल झड़ना बंद हो जाते हैं।
- 50 ग्राम कलौंजी को एक लीटर पानी में उबालें। इसे पानी से बाल धोने से एक माह में बाल काफी लंबे हो जाते हैं।
- नीम और बेर के पत्तों को पानी में पीस कर सिर में लगाने से भी बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- प्याज का रस और शहद बराबर मात्रा में मिलाकर लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- आम की गिरी 10 ग्राम लेकर आंवले के रस में पीस लें। इसे लगाने से बाल घुंघराले हो जाते हैं।
- सूखे आंवले के चूर्ण को नींबू के रस में मिलाकर लेप करने से बाल काले और मजबूत होते हैं।

भिंडी अनारदाना

सामग्री : 400 ग्राम भिंडी, 2 मध्यम आकार के प्याज, डेढ़ कप तेल, 2 चम्मच अनारदाना पाऊडर, 1 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच हरा धनिया, आधा चम्मच हल्दी पाऊडर, नमक स्वादानुसार, आधा कप गरम मसाला पाऊडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर।

विधि : भिंडी को धोकर पोंछ लें। दोनों छोरों से काट लें। बीच में से एक चीरा लगाएं। प्याज काट लें। लाल मिर्च पाऊडर, धनिया पाऊडर, हल्दी पाऊडर, अनारदाना पाऊडर, गरम मसाला पाऊडर और नमक मिला लें। इसमें 4 चम्मच तेल डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस मसालें को भिंडी में भर लें। एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें कटे हुए प्याज डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनें। इसमें भिंडी डालकर पका लें। इस पर नींबू का रस निचोड़ कर गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2566

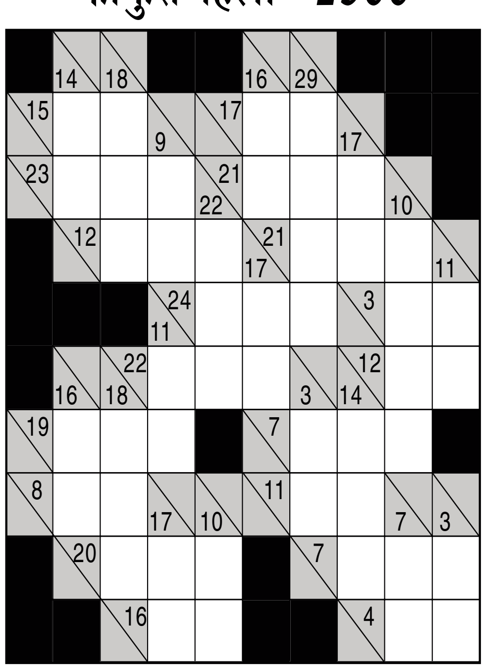

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

16 / 23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2565 का हल

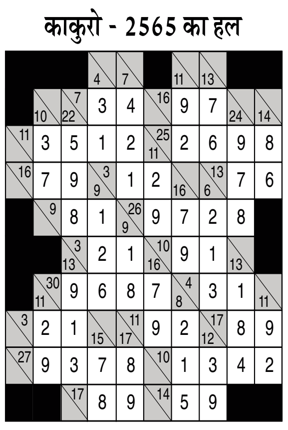

लॉफिंग ज़ोन

जज (शराबी से)- 'एक ही बैठक में तुम पूरी दो बोतल शराब पी गए. ऐसी भी क्या मजबूरी थी?'

शराबी (जज से)- 'मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था. दोनो बोतलों के ढक्कन गुम हो गए थे.'

☺ ☺ ☺

चुनाव का मौसम चल रहा था. लोग जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे. अचानक थोड़ी देर में वही लोग मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे. इस परिवर्तन ने पत्रकार का ध्यान खीचा. उसने नारा लगाने वाले एक व्यक्ति से पूछा- भाई साहब अभी तो आप लोग सब जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे अब मुर्दाबाद के नारे क्यों लगाने लगे.

व्यक्ति (पत्रकार से)- साहब जी उन्होंने जिन्दाबाद चिल्लाने के लिए सिर्फ पंद्रह मिनट के लिए पैसे दिये थे और अब सोलह मिनट हो गये हैं.

☺ ☺ ☺

मच्छरों की मनमानी से परेशान होकर एक महिला कैमिस्ट की दुकान पर गयी और बोली, 'आजकल मच्छर बहुत हो गये है, मच्छरों के काटने से मेरे बच्चे बहुत परेशान हैं, कोई दवाई दे दीजिए.' कैमिस्ट ने तेल की छोटी शीशी दे दी.

महिला ने तुरंत पूछा, 'यह बच्चों को लगानी है या मच्छरों को.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली - 2566

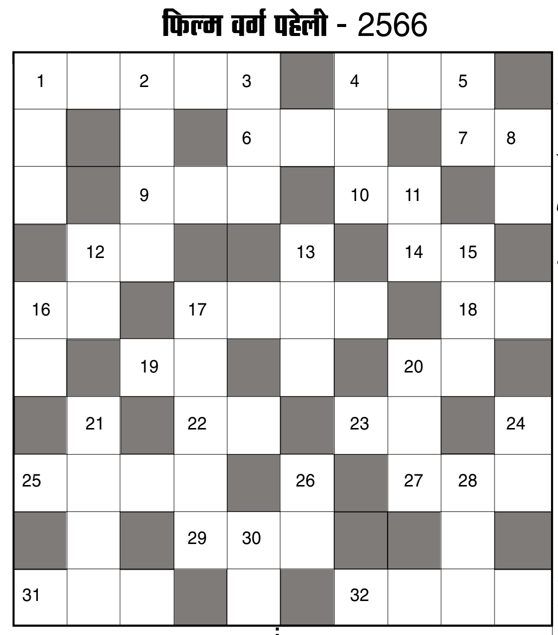

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताऩ्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2565

सूडोकु -2566

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2565 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2566

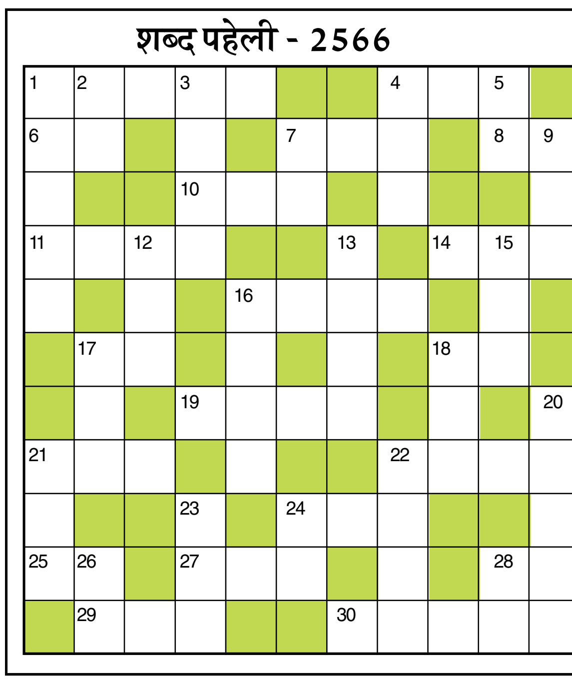

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -2565 का हल

पोषण की नई ताकत बना यूपी का टेक होम राशन, बच्चों की सेहत से महिलाओं की आत्मनिर्भरता तक दिखा असर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान केवल पोषण सामग्री के वितरण तक सीमित नहीं है। टेक होम राशन (टीएचआर) योजना के जरिए बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं की अलग-अलग पोषण जरूरतों के अनुसार उत्पाद तैयार कर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के तहत शिशु अमृत, शिशु आहार, बाल पुष्टिकर, संपूर्ण मातृ आहार, आरोग्य पोषण, बाल संजीवनी और सक्षम पोषण जैसे सात उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें ऊर्जा, प्रोटीन, आयरन समेत जरूरी पोषक तत्व शामिल किए गए हैं। इससे लाभार्थियों को उनकी उम्र और जरूरत के अनुरूप पोषण उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। बच्चों में नाटेपन की दर में लगातार गिरावट आई है। वर्ष 2015-16 में यह दर 46.3 प्रतिशत थी, जो 2019-21 में घटकर 39.7 प्रतिशत हो गई। वहीं अब में यह आंकड़ा 31.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसके अलावा अल्पवजन और दुबलापन जैसी समस्याओं में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

कंगना रनौत विवाद पर बोले स्वामी रामदेव-'ओछे लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता'

हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने भाजपा सांसद कंगना रनौत से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश की जनता उनके योगदान से परिचित है और वह विवाद को आगे बढ़ाना नहीं चाहते। स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर आयोजित संत समागम के बाद पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, इस देश के लोग जानते हैं कि स्वामी रामदेव कौन हैं और उनका क्या योगदान रहा है।

इसलिए मैं ऐसे ओछे लोगों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं विवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहता।गौरतलब है कि पिछले दिनों कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बाबा रामदेव पर हमला बोला था, जिसके बाद विवाद गरमा गया था। इसी पर पलटवार करते हुए रामदेव ने कहा कि देश उनका योगदान जानता है और वे विवाद को तूल नहीं देना चाहते।

रसोइया सामाजिक सुरक्षा के तहत मुख्यमंत्री योगी के समक्ष हुआ एमओयू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए कार्यक्रम में रसोइया सामाजिक सुरक्षा के तहत एमओयू हुआ। बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (बेसिक/माध्यमिक शिक्षा) पार्थसारथी सेन शर्मा व एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक दीपेश राज ने रसोइयों व उनके परिजनों के लिए दो लाख रुपये की बीमा दुर्घटना सहायता के सुरक्षा कवच से संबंधित अनुबंध का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम में पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन) योजना की उपलब्धियों संबंधी लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। बच्चों ने उन्हें निपुण तराजू के बारे में भी बताया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट भी दी। इस दौरान मीना मंच के स्टॉल पर बच्चियों ने मुख्यमंत्री से सेल्फी लेने का अनुरोध किया, जिस पर सीएम मुस्कुरा उठे तो बच्चियों ने उनके साथ सेल्फी भी ली। इसके बाद सीएम योगी ने छह माह की अनीता व मो. अली को अपने हाथ से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया और खिलौना दिया।

त्योहारों से पहले खोये में मिलावट पर बड़ा प्रहार, कानपुर देहात में एफआईआर

कानपुर/लखनऊ। आगामी त्योहारों को देखते हुए दूध और दुग्ध उत्पादों, खासकर खोया में मिलावटखोरी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने कानपुर देहात और कानपुर नगर में बड़ा प्रवर्तन अभियान चलाया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ रोशन जैकब के निर्देश और अपर आयुक्त श्रीमती रेखा एस. चौहान के प्रभावी पर्यवेक्षण में प्रदेश स्तरीय 24 प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न खोया निर्माण इकाइयों और प्रमुख खोया मंडियों में सघन निरीक्षण किया। अभियान के दौरान मिलावट में इस्तेमाल होने वाली संदिग्ध सामग्री बरामद हुई, बड़ी मात्रा में खोया नष्ट कराया गया और कानपुर देहात में एक मामले के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई गई।

सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने अमित शाह से की मुलाकात

असम में बाढ़ और राहत कार्यों को लेकर चर्चा की

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बीती रात मुलाकात कर राज्य में बाढ़ के बाद उत्पन्न स्थिति और चलाए जा रहे राहत कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर असम में बाढ़ की स्थिति और पुनर्वास प्रक्रिया की ताजा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी, साथ ही असम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि असम में बाढ़ के पूरे समय के दौरान उन्होंने हमारे साथ निरंतर संपर्क बनाए रखा और स्थिति की पूरी निगरानी की, साथ ही आने वाले समय में जनता को सामान्य

जीवन की ओर लौटाने के लिए भारत सरकार का पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित किया। ज्योग्राफिकमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना उनसे हुई प्रत्येक बैठक की तरह इस बातचीत में भी उन्होंने सभी छोटे-छोटे मामलों पर गंभीरता से ध्यान दिया और विशेष रूप से सुरक्षित, स्थिर असम के प्रति उनकी अटूट जिम्मेदारियों ने हमें प्रेरित किया। उनके मूल्यवान मार्गदर्शन और हमेशा से मिल रहे मजबूत समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद।

मप्र की आरक्षक वर्षा पटेल ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा

एजेंसी

जबलपुर। मध्य प्रदेश पुलिस की महिला आरक्षक वर्षा पटेल ने अपने साहस, मेहनत और दृढ़ संकल्प से देश का नाम रोशन किया है। जबलपुर पुलिस में आरक्षक के पद पर तैनात वर्षा पटेल ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एल्ब्रुस पर तिरंगा फहराकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

वर्षा ने मीडिया को जारी अपने बयान में बताया कि ''एल्ब्रस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त को हुई थी. अभियान के दौरान खराब मौसम, बर्फीली हवाओं और कड़ाके की ठंड के कारण पर्वतारोहियों को कई दिनों तक शिखर की ओर बढ़ने के लिए अनुकूल मौसम का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद 20 अगस्त को मौसम में सुधार के बाद टीम ने अंतिम चढ़ाई शुरू की। बेहद कठिन परिस्थितियों के बीच वर्षा ने हिम्मत नहीं छोड़ी। उन्होंने 21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर वर्षा ने 5,642 मीटर यानी करीब 18,510 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर भारत का राष्ट्रीय ध्वज और मध्य प्रदेश पुलिस का झंडा लहराया। उन्होंने बताया कि एनएसवाई आउटडोर्स के तत्वावधान में प्रसिद्ध

पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में यह अंतरराष्ट्रीय अभियान पूरा किया गया। इस दौरान टीम को रूस में भीषण ठंड, तूफानी हवाओं और खराब परिस्थितियों जैसी गंभीर मौसम संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा।जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र निवासी गौरी शंकर पटेल की बेटी वर्षा को बचपन से ही खेलकूद और पर्वतारोहण में विशेष रुचि रही। वह बेसबॉल की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 10 से अधिक पदक हासिल कर चुकी हैं। खेल के मैदान से शुरू हुआ उनका सफर धीरे-धीरे पहाड़ों तक पहुंचा। पर्वतारोहण के क्षेत्र में भी उनका अनुभव है। वर्ष 2024 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट कोज़ियास्को पर तिरंगा फहराया था। वह ऐसा करने वाली मध्य प्रदेश पुलिस की पहली महिला आरक्षक बनी थीं।

वर्षा पटेल का मुख्य लक्ष्य दुनिया के सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर विजय प्राप्त कर 'सेवन समिट्स' (सात शिखर) अभियान पूरा करना है। माउंट एल्ब्रुस की सफलता के बाद, उनका अगला ध्यान अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो को फतह करने पर है। उनका मानना है कि पर्वतारोहण के माध्यम से वह तिरंगे को दुनिया की ऊंचाइयों तक पहुंचाना चाहती हैं।

नागपुर के गोधनी में क्लोरीन गैस लीक होने से 40 लोग अस्पताल में भर्ती

इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र नागपुर के गोधनी नगर पंचायत के फागुजी नगर स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में बीती रात करीब रिजर्व क्लोरीन सिलेंडर से गैस लीक होने से करीब 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना की सूचना मिलते ही नागपुर फायर विभाग, एनडीआरएफ, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर 200 मीटर के क्षेत्र को सील कर दिया गया और लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। मौके पर राहत और बचाव काम कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्लांट में क्लोरीन गैस के दो सिलेंडर रखे थे। इनमें से एक सिलेंडर इस्तेमाल में

था, जबकि दूसरा रिजर्व रखा गया था। रात करीब 12.30 बजे रिजर्व सिलेंडर से अचानक गैस लीक होने लगी। कुछ ही देर में आसपास के इलाके में क्लोरीन गैस फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय सोशल एक्टिविस्ट ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करीब 200 मीटर के इलाके को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। गैस से प्रभावित 40 लोगों को गोधनी रोड स्थित मैक्स हॉस्पिटल, मेयो हॉस्पिटल और स्पर्श हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन मरीज आईसीयू में हैं। लीकेज को नियंत्रित करने के लिए एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर गैस लीकेज रोकने का प्रयास कर रही है । इसके साथ ही हेल्थ सेंटर की टीम भी इलाके में पहुंचकर घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि गैस लीक होने के समय प्लांट में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। ऐसे में प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था, रात के समय कर्मचारियों की गैरमौजूदगी और क्लोरीन सिलेंडर की हैंडलिंग को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

महाराष्ट्र के भंडारा में खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में भिसारी झील के पास खराब मौसम और कम विज़िबिलिटी के चलते नागपुर से रायपुर जा रहे एक निजी कंपनी के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हेलिकॉप्टर में पायलट समेत चार लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। करीब एक घंटे बाद हेलीकॉप्टर फिर से नागपुर की ओर लौट गया। इसकी पुष्टि भंडारा जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी अभिषेक नामदास ने की है। अभिषेक नामदास ने बताया कि हेलिकॉप्टर में चार लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। वहीं, गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट के निदेशक गिरीशचंद्र वर्मा ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि पायलट बिरसी एयरपोर्ट पर उतरना चाहता था, लेकिन बाद में उसने नागपुर लौटने का फैसला किया।

भंडारा जिला आपदा प्रबंधन के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह घटना मोहाड़ी तहसील में मोहगांव-निलाज रोड के पास सुबह करीब 11 बजे हुई। नागपुर से रायपुर जा रहा हेलीकॉप्टर अचानक खराब मौसम के कारण भंडारा जिले में हवा में चक्कर लगाने लगा। इसी दौरान पायलट ने सुरक्षित जगह की तलाश की। इसके बाद लैंडिंग से पहले हेलिकॉप्टर कुछ देर तक भिसारी झील के ऊपर चक्कर लगाता रहा। झील का जलस्तर कम होने के कारण उसके पास पर्याप्त खुली जगह थी, इसलिए पायलट ने वहां हेलिकॉप्टर उतारने का फैसला किया। करीब एक घंटे तक हेलिकॉप्टर मौके पर खड़ा रहा। मौसम में सुधार होने के बाद पायलट ने हेलीकॉप्टर गोंदिया के बिसरी एयरपोर्ट पर उतारने का विचार किया, इसके लिए पायलट ने संबंधित अधिकारी से बात भी की। लेकिन बाद में पायलट ने हेलीकॉप्टर ने दोबारा उड़ान भरी और नागपुर लौट गया।

बिहार के मधेपुरा स्थित सिंहेश्वर धाम में जलाभिषेक के दौरान छह श्रद्धालु घायल

एजेंसी

पटना। बिहार के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम मंदिर में सावन की आखिरी सोमवारी पर सोमवार सुबह भारी भीड़ के कारण अचानक अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 6:25 से 7 बजे के बीच जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ मंदिर परिसर में पहुंच गए। भीड़ में कई श्रद्धालु दब गए, जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। हादसे में 6 श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला। भीड़ में फंसे श्रद्धालुओं को तत्काल बाहर निकाला गया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था की थी, लेकिन उम्मीद से कहीं अधिक संख्या में लोग एक साथ मंदिर परिसर में प्रवेश कर गए। अत्यधिक और अनियंत्रित भीड़ के कारण कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भीड़ को नियंत्रित किया और श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार, घायलों की स्थिति को लेकर फिलहाल किसी गंभीर खतरे की सूचना नहीं है। सावन महीने की अंतिम सोमवारी को लेकर बिहार के तमाम शिवालयों में अलसुबह से ही जलाभिषेक किया जा रहा है। इस खास अवसर पर मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध गरीबनाथ धाम, लखीसराय के अशोक धाम और मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। इससे पहले 17 अगस्त को लखीसराय के अशोक धाम में भगदड़ के दौरान 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद प्रशासन ने प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर विशेष सतर्कता बरती है।

अशोक धाम में इस बार श्रद्धालुओं के लिए अरघा सिस्टम लागू किया गया। सुबह 3 से 5 बजे तक बड़ी संख्या में भक्तों ने इस व्यवस्था के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से जलाभिषेक किया। भीड़ कम होने के बाद स्थिति सामान्य रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने पिछले कई दिनों से मंदिर और आसपास के इलाकों में भीड़ प्रबंधन तथा कानून-व्यवस्था की लगातार निगरानी की। बाहर से आने वाले कांवरिया श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए। वहीं, मुजफ्फरपुर में सावन की चौथी और अंतिम सोमवारी पर प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु सारण के पहलेजा घाट से करीब 72 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर गंगाजल लेकर बाबा गरीबनाथ धाम पहुंचे।

ई जीरो एफआईआर अंतर्गत देवास पुलिस की बड़ी कार्रवाई

12 साइबर ठग गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लागू की गई 'ई-जीरो स्द्धक्र' व्यवस्था के अंतर्गत देवास पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 54 लाख 84 हजार 725 रुपये की ठगी गई राशि बरामद की है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि देवास जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के नागरिक से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 63 लाख 52 हज़ार रुपए की साइबर ठगी की शिकायत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त हुई थी। प्रकरण में थाना कोतवाली देवास में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। देवास के पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के

निर्देश पर देवास पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर साइबर ठगी की राशि से जुड़े बैंकिंग ट्रांजेक्शन, खाताधारकों, मोबाइल नंबरों, बैंक स्टेटमेंट, बैंक शाखाओं के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान प्रत्येक बैंकिंग लेयर का तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण करते हुए पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची। ठगी की रकम के ट्रांजेक्शन का लगातार पीछा करते हुए देवास पुलिस की 19 टीमों में शामिल 70 पुलिसकर्मियों ने राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, दिल्ली सहित कुल 17 राज्यों के 33 जिलों में स्थानीय पुलिस के समन्वय से संदिग्ध खाताधारकों एवं आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी। इस अंतरराज्यीय कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने लगातार 127 दिनों तक आरोपियों की तलाश, बैंक खातों की जांच, बैंक शाखाओं से तकनीकी साक्ष्य संकलन तथा संदिग्धों की गतिविधियों का सत्यापन किया। इस दौरान टीमों ने लगभग 58 हजार 315 किलोमीटर की दूरी तय की और विभिन्न राज्यों में समन्वित कार्रवाई करते हुए नेटवर्क से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, जांच में सामने आया कि साइबर ठगों द्वारा स्वयं को दूरसंचार विभाग, मुंबई क्राइम ब्रांच एवं सीबीआई का अधिकारी बताकर पीड़ित को फोन एवं वीडियो कॉल के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में फंसाने और गिरफ्तारी का डर दिखाकर फर्जी जांच प्रक्रिया संचालित की गई ।

कृषि विश्वविद्यालय ने सात अगस्त को संपन्न प्लांट पैथोलॉजी का प्रश्न पत्र भी किया रद्द

विश्वविद्यालय प्रबंधन की आपात बैठक में परीक्षा की गोपनीयता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु अनेक निर्णय

एजेंसी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा पेपर लीक प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए आज अवकाश के दिन डॉ गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित आपातकालीन बैठक में अनेक निर्णय लिए गए। बैठक में 20 अगस्त की परीक्षा के पेपर लीक मामले में रायपुर पुलिस द्वारा की गई जांच में विश्वविद्यालय द्वारा 07 अगस्त 2026 को आयोजित बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र को भी अभियुक्त द्वारा लीक किए जाने की जानकारी मिलने पर उस प्रश्न पत्र को भी निरस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग पर

पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित न कर पाने हेतु नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने का फैसला लिया गया तथा उन्हें इस संबंध में नोटिस जारी किया गया। 20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण में रायपुर पुलिस द्वारा भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग के जिन दोषी पाए गए छात्रों को हिरासत में लिए गया है उनके ऊपर भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही 20 अगस्त को आयोजित बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी प्रश्न पत्र तथा 07 अगस्त को आयोजित प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी प्रश्न पत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वरों को भी कारण बताओ नोटिस देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में तय किया गया कि दोनों रद्द परीक्षाएं सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में पुनः आयोजित की जाएंगी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कहा गया है कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य हेतु परीक्षाओं की गोपनीयता, निष्पक्षता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं तथा परीक्षा प्रणाली को लीक प्रूफ बनाने की कार्यवाही की जा रही है।

इसी संबंध में 20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण पश्चात विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2026 को आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्र संबंधित महाविद्यालयों को हार्ड कॉपी के स्थान पर पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल के माध्यम से भेजे गए।

एके-47 बरामदगी मामले में एनआईए ने फरार आरोपित को बिहार एसटीएफ के साथ मिलकर दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार एसटीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में एके-47 राइफल और जिंदा कारतूस की बरामदगी से जुड़े मामले में एक और फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सारण जिले के चेतन परसा निवासी करमुल्लाह के रूप में हुई है। उसे शनिवार को सारण से गिरफ्तार किया गया। एनआईए के मुताबिक, करमुल्लाह ने अन्य सह-आरोपितों के साथ मिलकर नागालैंड से बिहार तक प्रतिबंधित बोर के अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी की साजिश रची थी। एजेंसी का आरोप है कि इस साजिश का उद्देश्य सार्वजनिक शांति एवं सुरक्षा को प्रभावित करना और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालना था। यह मामला एनआईए की आरसी-11/2024/एनआईए/डीएलआई से संबंधित है। मामले की शुरुआत सात मई 2024 को मुजफ्फरपुर के फकुली थाने में दर्ज केस संख्या 19/2024 से हुई थी। मुर्गाटिया पुल के पास एक एके-47 राइफल, लेंस और जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया था। जांच आगे बढ़ने के बाद एनआईए ने मामले में कई पूरक आरोपपत्र दाखिल किए। आठ मई 2025 को एजेंसी ने विकास कुमार, सत्यम कुमार, देवमणि राय और अहमद अंसारी के खिलाफ पहला पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं 13 और 18 के तहत आरोप लगाए गए। इसके बाद 20 फरवरी 2026 को मंजूर खान के खिलाफ दूसरा पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25(1एए), 26 और 35 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं 13 और 18 के तहत आरोप लगाए गए। एनआईए ने 15 अप्रैल 2026 को कुंदन कुमार उर्फ कुंदन भगत के खिलाफ तीसरा पूरक आरोपपत्र दाखिल किया। उसके खिलाफ भी भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी।कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में ख़ुद्दन्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत-ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी।भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है।यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है।हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता – भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे।यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है।इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे।उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4-5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4-5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे।इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है।केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे।इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं।कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है।फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है।हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19-20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है।इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई-एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी।यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है।हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है।गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी।ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका- लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की।कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे।इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी,दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे।आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया।आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई।अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है।उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है।क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते।जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्व से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुई।उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस, 16 साल की पीड़ित की शिकायत- मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

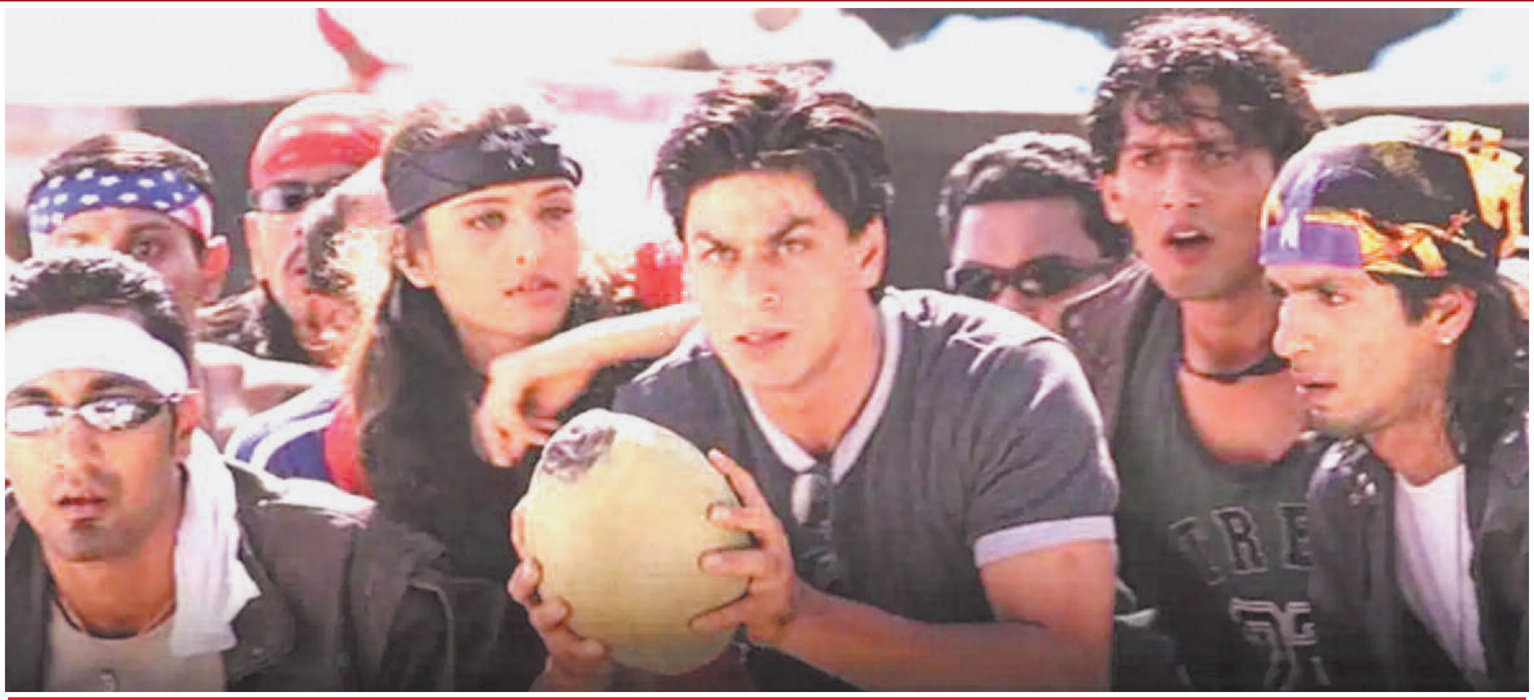

मैं डिप्रेशन में चला गया था, नशा करने लगा था

‘जोश’ में शाहरुख ने कटवाया इस एक्टर का रोल

फिल्म ‘जोश’ दर्शकों को खूब पसंद आई थी. इसमें शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और चंद्रचूड़ सिंह लीड रोल में थे. फिल्म में पुनीत वशिष्ठ ने भी काम किया था. उन्होंने रोल काटे जाने का दावा किया है

शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय, चंद्रचूड़ सिंह, प्रिया गिल और शरद कपूर की फिल्म ‘जोश’ साल 2000 में आई थी. तब फिल्म को काफी पसंद किया गया था और इसके गाने भी खूब चले थे. फिल्म को मंसूर खान ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म का हिस्सा अभिनेता पुनीत वशिष्ठ भी थे. उन्होंने फिल्म में शाहरुख खान की गैंग के सदस्य और उनके दोस्त रॉनी का रोल निभाया था. पुनीत ने अब एक इंटरव्यू में दावा किया है कि फिल्म में शाहरुख खान ने उनके कई सीन कटवा दिए थे. पुनीत वशिष्ठ ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने ‘जोश’ फिल्म पर बात की. इस दौरान रोल काटे जाने पर पुनीत वशिष्ठ ने कहा, ‘काफी कुछ कट हुआ.’ जब उनसे पूछा गया कि ऐसा कैसे हुआ? तो उन्होंने कहा, ‘मैंने शाहरुख भाई को डांस वगैरह के लिए ट्रेनिंग भी दी है. तो वो मेरी एनर्जी से अच्छी तरह वाकिफ थे. जब मंसूर खान अपने शॉट लगाते थे, तो शाहरुख खान अपनी एनर्जी के लिए जाने जाते थे. शाहरुख खान 10 फुट की जंप मारते थे तो मैं ऑटोमैटिकली, नॉर्मली, नैचुरली जंप मारता था तो मेरी जंप 14 फुट की हो जाती थी. तो ध्यान मेरे ऊपर जा रहा था, इसलिए मुझे कट कर दिया. ‘

‘मैं उनकी जगह होता तो…‘

पुनीत ने बताया कि जब उन्होंने जोश में काम करना शुरू किया था तो उनकी उम्र महज 20 साल थी. उन्होंने कहा, ‘जोश 4 महीने में बनने वाली थी. लेकिन उसको बनने में साढ़े चार साल लग गए. मेरी नासमझी ये थी कि मैंने उसपर गौर किया जो मैंने खोया, उस पर नहीं, जो मैंने पाया. और फिर इस इस ग्रुप ने, तभी एक ग्रुप बन गया था तो कोई नहीं चाहता था कि ये एनर्जी वाला आए तो मुझे फिर ये सारे ग्रुपिज्म जो अभी ये वृक्ष बन रहा था, ये नेपोटिज्म का, या एक लॉबी का तो उस ग्रुप ने मुझे बहुत अवॉइड किया. ‘

डिप्रेशन और नशे में फंसे पुनीत

पुनीत ने बताया कि जब उन्हें इग्नोर किया जाने लगा तो वो डिप्रेशन में चले गए थे. वो कहते हैं, ‘डिप्रेशन, अल्कोहलिज्म, नशा ये सारी चीजों में मैं घुस गया. क्योंकि टैलेंट था, कॉन्फिडेंस था… नॉर्मली ऐसा ही होता फिर तो ये सारी चीजों में गया. तो ये सारी चीजें हावी भी हो गई मुझ पर. जरा थोड़ा शॉर्ट भी हो गया मैं. लेकिन अभी भगवान की कृपा है. जो हुआ एक प्रोसेस था.

टॉक्सिक के मेगा हैदराबाद प्री-रिलीज़ इवेंट में

अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर ने बढ़ाया एक्साइटमेंट का लेवल

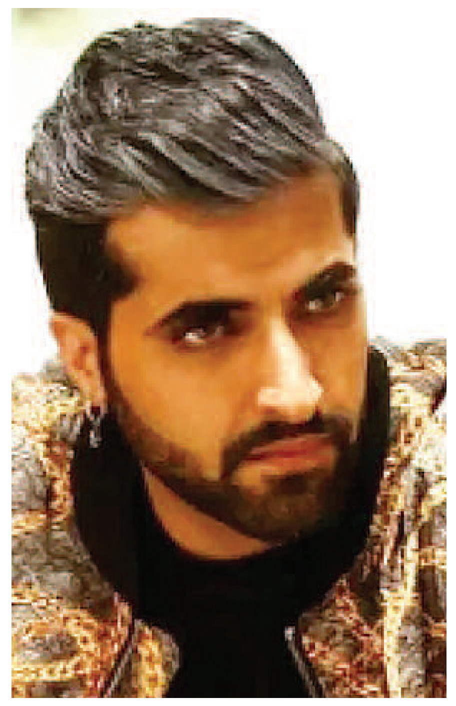

अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर एक्साइटमेंट तब नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गई, जब 26 अगस्त, 2026 को होने वाली फिल्म की वर्ल्डवाइड थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले आयोजित ग्रैंड प्री-रिलीज़ इवेंट में 45,000 से ज्यादा फैंस उमड़ पड़े। इस धमाकेदार शाम में रॉकिंग स्टार यश, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय, सुदेव नायर, प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण और प्रोड्यूसर दिल राजू की मौजूदगी ने माहौल को और भी इलेक्ट्रिफाइंग बना दिया। फिल्म में टोनी का किरदार निभा रहे अक्षय ओबेरॉय ने आंध्र प्रदेश से अपने खास कनेक्शन और हैदराबाद में मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ‘आज रात यहां आकर मैं बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे माता-पिता आंध्र के विशाखापत्तनम में बड़े हुए हैं और मेरे पिता इसी शानदार शहर में पले-बढ़े हैं। इसलिए आप सभी के बीच यहां होना बहुत खास है। मैं आपके शहर से बहुत इम्प्रेस हूं। मैं मुंबई से हूं, इसलिए यहां आना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव है। आप सभी को ढेर सारा प्यार। अक्षय ने आगे कहा, ‘मैं भी आप सभी की तरह बॉस का बहुत बड़ा फैन हूं। उनकी सबसे खास बात यह है कि वह एक बेहद प्राउड इंडियन हैं।

मुझे शुरू से पता था कि वह ऐसी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिस पर उनके दर्शकों को गर्व हो। एक ऐसी फिल्म जो इंटरनेशनल और ग्लोबल स्केल की हो और जिस पर हम सभी गर्व कर सकें। वहीं, सुदेव नायर ने भी स्टेज पर अपनी एनर्जी से माहौल को और हाई कर दिया। उन्होंने अपने किरदार करुमाड़ी के बारे में बात करते हुए दर्शकों को टॉक्सिक में आने वाली सनक और पागलपन की झलक दी। सुदेव ने कहा, ‘इस फिल्म में मेरा किरदार करुमाड़ी है। उसके अंदर पागलपन है। अब ज्यादा खतरनाक कौन है, ये आप तय कर सकते हैं।

लेकिन हां, इस फिल्म में पागलपन बहुत है। ‘ सुदेव ने अपने मलयाली कनेक्शन पर भी दर्शकों के साथ एक प्यारा पल शेयर किया। उन्होंने कहा, ‘यहां इतने सारे मलयाली हैं, इसलिए मुझे लग रहा है जैसे मैं घर पर हूं। उन्होंने दर्शकों से टॉक्सिक को थिएटर में देखने की अपील करते हुए कहा, ‘जैसा कि सभी ने कहा, हमें टॉक्सिक को थिएटर में जाकर देखना है। ‘ गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर नजर आएंगे। यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बॉबी देओल स्टारर सीरीज पर प्रकाश झा ने दी बड़ी अपडेट

क्या ‘आश्रम 4‘ की शुरू हुई शूटिंग?

बॉबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज ‘आश्रम’ की अगली कड़ी का एलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। ‘आश्रम’ सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। प्रकाश झा ने नए सीजन का एलान करके फैंस को तहफा दिया है। ’आश्रम 4’ का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। इसमें मूवी क्लिपबोर्ड नजर आ रहा है। इस पर ‘एक बदनाम आश्रम’ लिखा है। तस्वीर शेयर करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा ‘एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।

इस एक्ट्रेस से की गई गंदी डिमांड, बोलीं- इंडस्ट्री में कोई Safe नहीं

कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन… कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन इस बारे में उनके परिवार को आज तक जानकारी नहीं है। कंगना के मुताबिक, वह रिश्तेदार अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन की आर्थिक परेशानियों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनके पिता कोई काम नहीं करते थे और परिवार के पास अपना घर तक नहीं था। हालात इतने खराब थे कि कई बार खाने के लिए आटा भी दूसरों से मांगना पड़ता था। जिंदगी की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। कंगना शर्मा ने यह भी बताया कि करियर के दौरान उन्हें कास्टिंग काउच जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि इंडस्ट्री में काम पाने की कोशिश के दौरान उन्हें कई असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

कंगना का छलका दर्द

कंगना ने कास्टिंग काउच के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि हेट स्टोरी 2 की कास्टिंग के दौरान उनके साथ एक बेहद असहज घटना हुई थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह एक एजेंसी के शख्स के साथ रेस्टोरेंट में बैठी थीं। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि वह कितनी बोल्ड हैं। इस पर कंगना ने कहा कि अगर बात एक्टिंग की हो तो वह किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं. और मानसिक रूप से काफी बोल्ड हैं। कंगना ने बताया कि उसने मुझे कहा कि अपन पेंटी उताकर मुझे दो। तो फिर मैंने कहा अभी खाएगा या बाहर चलकर खाएगा। फिर उसने कहा कि मैं तो सिर्फ तुम्हारी बोल्डनेस देख रहा था। तब मैंने उनसे कहा कि तुमने अब तक पता नहीं कितनी लड़कियों को इस तरह तंग किया होगा। इसके बाद कंगना ने बताया कि कास्टिंग काउच किसी एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है और किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी माना कि ऐसी परिस्थितियों में इंसान किस तरह प्रतिक्रिया देता है, यह काफी हद तक उसके अपने फैसले पर निर्भर करता है।

रसिका दुग्गल ने शेयर किया मेलबर्न का अनुभव, कहा- रेखा के साथ ‘उमराव जान’ देखना रहा यादगार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में ‘बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)’ का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिमान हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिव की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया। लिखा, ‘लंबी फ्लाइट्स, एक के बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके बावजूद मुझे हैरान होती है कि मैं हमेशा आईएफएफएम से इंसपायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में जीने लायक है। अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टाइलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, ‘रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, ‘रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना - जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी एक शकुंतला वाली कहानी है और जाहिर है, दिल्ली क्राइम सीरीज के लिए अवॉर्ड जीतना भी मेरे लिए खास था। ‘

यश ने रचा इतिहास

यश की ‘टॉक्सिक’ टिकट बुकिंग वेबसाइट्स पर भी छाई हुई है. फिल्म ने एक ऐसा कारनामा कर दिया है, जिससे पता चलता कि इसको लेकर ऑडियंस के बीच कितना बज़ है. यश की ‘टॉक्सिक’ को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं. 26 अगस्त को ये फिल्म 6 भाषाओं में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. जहां एक तरफ ट्रेलर आने के बाद कुछ सीन को लेकर फिल्म की आलोचना भी हुई, तो वहीं दूसरी इस पिक्चर को लेकर खूब बज़ भी बना हुआ है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आंकड़े बता रहे हैं. दरअसल, ‘टॉक्सिक’ 13वीं ऐसी इंडियन फिल्म बन गई है, जिसे टिकट बुकिंग वेबसाइट बुकमायशो पर 1 मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा इंटरेस्ट मिले हैं. फिल्म की रिलीज से पहले बुकमायशो पर फिल्म के नाम के साथ इंटरेस्ट का ऑप्शन दिखता है, जिसके जरिए ऑडियंस फिल्म को लेकर अपनी दिलचस्पी जाहिर करते हैं.

मेरा दिमाग सुन्न हो गया था: करण वाही

टीवी एक्टर करण वाही इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में अपने डर का सामना करते नजर आ रहे हैं। शो के पहले ही हफ्ते में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद मुश्किल और दर्दनाक टास्क का सामना करना पड़ा था। इस टास्क में कंटेस्टेंट्स को पैलेट गन से रबर की गोलियां लगने का दर्द सहना पड़ा था। इस दौरान कई कंटेस्टेंट्स की पीठ पर चोट के निशान भी पड़ गए। अब करण वाही ने इस दर्दनाक टास्क को याद करते हुए बताया कि इसका उन पर कितना असर हुआ था।

दर्द नहीं सह सकते तो छोड़ दो

करण ने जूम के साथ बातचीत में बताया कि शो के होस्ट रोहित शेट्टी आमतौर पर किसी कंटेस्टेंट को हार मानने या शो छोड़ने के लिए नहीं कहते। लेकिन इस टास्क के दौरान उन्होंने कंटेस्टेंट्स से साफ कहा था कि अगर वे दर्द नहीं सह सकते तो पीछे हट सकते हैं। करण ने बताया, ‘क्योंकि ये कोई मजाक या खेल नहीं है। इससे आपको सच में डर लग सकता है और ऐसी चोट लग सकती है, जो आप नहीं चाहते। उस समय सीजन की शुरुआत ही हुई थी। इसलिए आप नहीं चाहते कि शो में आने के बाद या पूरे शो के दौरान आपको बहुत ज्यादा दर्द सहना पड़े।’

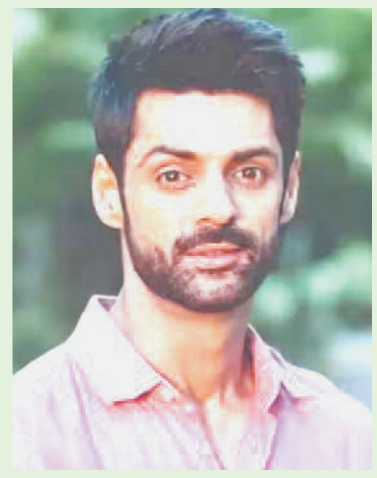

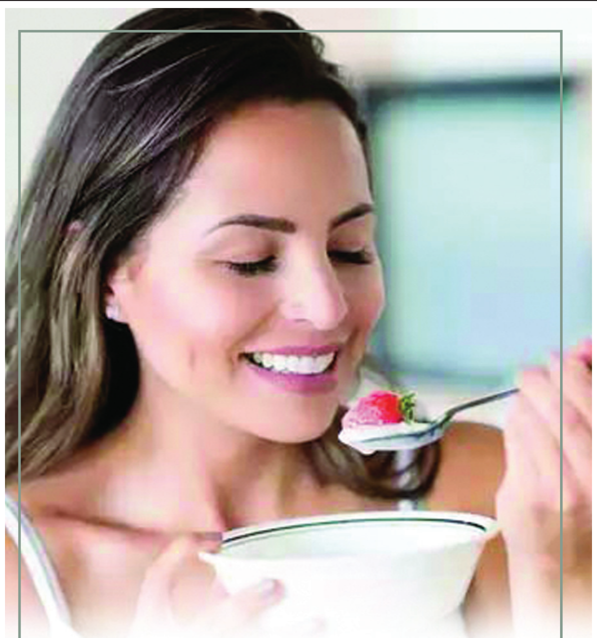

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।